दैनिक
दीन बन्धु News.com
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, मंगलवार
01.07.2025
वर्ष : 13
अंक : 193
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

भारत बना रहा यूएस से भी खतरनाक बंकर-बस्टर्स बम, जमीन के 100 मीटर अंदर घुसकर तबाह करेगा दुश्मन के ठिकाने

नईदिल्ली। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्र पर अपने B-2 बॉम्बर विमानों से बंकर-बस्टर बम गिराए थे. इस हवाई हमले में ईरान के इस प्रमुख परमाणु संयंत्र को काफी नुकसान पहुंचा था. दरअसल, ईरान ने फोर्डो परमाणु संयंत्र को पहाड़ों के बीच जमीन के 100 मीटर नीचे बनाया था, जिसे सामान्य विस्फोट से नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है. इसीलिए अमेरिका ने इस परमाणु संयंत्र पर बंकर-बस्टर बम गिराने का फैसला किया. ये बम पहले 60 से 70 मीटर तक छेद करके जमीन के अंदर घुसते हैं और फिर फटते हैं. यानी दुश्मन की अंडरग्राउंड फैसिलिटी को टारगेट करने के लिए इन बमों का उपयोग किया जाता है.

ब्रीफ न्यूज

अब आसमान से होगी दुश्मनों पर नज़र! भारत लॉन्च करेगा 52 सैटेलाइट, पाक-चीन की बढ़ेगी टेंशन!

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारत अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। देश एक या दो नहीं, बल्कि 52 सैटेलाइट लॉन्च करने की तैयारी में जुट गया है। ये सभी सैटेलाइट विशेष रूप से सेना के लिए काम करेंगी, जिससे पाकिस्तान समेत दुश्मन देशों के हर कोने पर कड़ी निगरानी रखी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त, सेना के लिए एक विशेष स्पेस डॉक्ट्रिन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया भी चल रही है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपने सैटेलाइट सिस्टम की मदद से पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों की सफलतापूर्वक निगरानी की थी, जिससे सेना को सटीक निशाना साधने में काफी मदद मिली थी। भारत द्वारा यह सैटेलाइट लॉन्च 'स्पेस बेस्ड सर्विलांस प्रोग्राम' (एसबीएस) के तीसरे चरण का हिस्सा है। इस कार्यक्रम को पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा कैबिनेट कमेटी ने मंजूरी दी थी।

सतना-चित्रकूट हाईवे पर पलटी तेज रफ्तार बस, दर्जन भर यात्री घायल

सतना। सोमवार को सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पोड़ी गांव के पास विजय ट्रेवल्स की एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस बिरसिंहपुर से सतना की ओर जा रही थी और उसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही कोठी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को खिड़कियों और आपात निकास मार्गों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, हालांकि दर्जनभर यात्रियों को हल्की चोटें आईं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सामने से एक चार पहिया वाहन आ रहा था, जिसे बचाने के प्रयास में बस चालक ने अचानक मोड़ लिया, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के वक्त बस की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। बस चालक से भी पूछताछ की जा रही है। हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है।

मणिपुर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सोमवार (30 जून) अज्ञात बंदूकधारियों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी. बताया जा रहा है कि मरने वालों में 60 साल की महिला भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक हमला

चुराचांदपुर के मोंगजांग गांव के पास दोपहर करीब 2 बजे हुआ. बताया जा रहा है कि पीड़ित जब एक कार में सफर कर रहे थे, इसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे बंदूकधारियों उन पर हमला कर गोलियां बरसा दीं जिससे मौके पर भी उनकी मौत हो गई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हमला मोंगजांग गांव के पास हुआ जो चुराचांदपुर शहर से करीब सात किमी दूर है. चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अधिकारी का कहना है कि प्रतीत होता है कि चारों लोगों को नजदीक से गोली मारी गई. उन्होंने बताया कि फिलहाल मारे गए लोगों की पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस उनके बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मारे गए लोग कौन थे कहां से आ रहे थे और कहां जा रहे थे.

पहाड़ी राज्यों में बारिश से तबाही

लैंडस्लाइड के बाद टनल में 5 घंटे फंसी रहीं गाड़ियां
हिमाचल में 285 सड़कें बंद, अब तक 39 की मौत
बिहार में 5 लोगों पर बिजली गिरी

शिमला/देहरादून/पटना ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

जान-माल का नुकसान रेल सेवाएं प्रभावित

भारी बारिश की वजह से केवल सड़क मार्ग ही नहीं प्रभावित हुई है. रेलमार्ग भी इससे प्रभावित हुए हैं. शिमला-कालका रेललाइन पर पेड़ गिरने और मलबा गिरने की वजह से रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं. राज्य में बीते 24 घंटे में तीन लोगों की मौत हुई है. इस मानसून सीजन अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है. बिलासपुर और ऊना में दो लोगों की डूबने की वजह से मौत हो गई वहीं तीसरी मौत शिमला में ऊंचाई की गिरने की वजह से हो गई है. शिमला-कालका राष्ट्रीय राजमार्ज (एसएच-5) पर कोटी के पास भूस्खलन हुआ. मलबा सड़क पर आने की वजह से कई घंटों तक लंबा जाम लग गया.

आज प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मानसून के एक्टिव होने के बाद से ही मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में बारिश के बाद झरना बहने लगा है। बारिश का पानी पहाड़ों से होकर भोलेनाथ की प्रतिमा के पास से निकलता है। ये नजारा बेहद आनंदित करता है। रविवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन समेत 24 जिलों में बारिश का दौर चला। खजुराहो, नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा।

जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन, सीएम ने की एक बगिया मां के नाम परियोजना की घोषणा

पीएम मोदी के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला : मुख्यमंत्री यादव

खंडवा ■ ब्यूरो

प्रधानमंत्री ने कहा है कि मुख्यमंत्री और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषत- जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएँ दीं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ीपड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 1568 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है।

4 जुलाई को मेधावी विद्यार्थियों को दिए जाएंगे लैपटॉप

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की पात्र हितग्राहियों को रक्षाबंधन से पहले अतिरिक्त 250 रुपए शगुन के रूप में मिलेंगे। दीपावली के बाद भाई-दूज से लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए दिए जाएंगे। राज्य सरकार संकल्प पूरा करते हुए आगामी चुनाव तक 3000 रुपए बहनों के खातों में भेजेगी। वहां 4 जुलाई को मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और स्कूटी की राशि वितरित की जाएगी। शासकीय स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को किताब-कॉपी के साथ साइकिलें भी बांटी जा रही हैं।

क्या है एक बगिया मां के नाम?

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एक बगिया मां के नाम परियोजना चलाई जाएगी। इसके अंतर्गत 30 हजार से अधिक स्व सहायता समूह की पात्र महिलाओं की निजी भूमि पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे। ये महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। ये पौधे 30 हजार एकड़ निजी भूमि पर लगाए जाएंगे। इस परियोजना की लागत 900 करोड़ रुपये है। परियोजना के तहत हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कंटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जलकुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी। यह अभियान 15 अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगा।

6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित

सीएम ने बताया कि 57 प्रमुख नदियों में मिलने वाले 194 से अधिक नालों का चिह्नांकन और उनके शोधन के लिए योजना तैयार की गई है। जैव विविधता संरक्षण के लिए घड़ियाल और कछुओं का जलावतरण किया गया। 145 नदियों के उद्गम क्षेत्रों को चिन्हित कर हरित विकास के लिए योजना तैयार की गई है। अविरल निर्मल नर्मदा योजना में 5600 हेक्टेयर में पौधरोपण शुरू कर दिया गया है। वन्य जीवों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 2500 से अधिक तालाब, स्टॉप डैम का निर्माण हुआ है। पौधरोपण के लिए करीब 6 करोड़ पौधों की नर्सरी विकसित की गई हैं। 1200 करोड़ लागत की 91 वॉटरशेड परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

दादा धूनीवाले मंदिर नवनिर्माण कार्य भूमिपूजन में पहुंचे सीएम

मुख्यमंत्री यादव ने संतों से लिया आशीर्वाद, 5 कन्याओं ने गेंती चलाई, 100 करोड़ से मंदिर लेगा आकार

खंडवा ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को खंडवा के दादाजी धाम मंदिर पहुंचकर मंदिर के नवनिर्माण कार्य के भूमिपूजन में शामिल हुए। उन्होंने बड़े दादाजी (श्री केशवानंद महाराज) और छोटे दादाजी (श्री हरिहरानंद महाराज) की समाधि पर मत्था टेका और पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने धर्मसभा में शामिल होकर संतों से आशीर्वाद लिया और भोजन प्रसादी ग्रहण की। देर शाम वे भोपाल के लिए रवाना हो गए। भूमिपूजन से पहले 5 कन्याओं ने एक के बाद एक गेंती चलाकर विधिवत भूमि पूजन की शुरुआत की। इसके बाद संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कार्यक्रम शुरू हुआ।

मंदिर में होंगे 108 खंभे, लागत 100 करोड़

दादाजी धाम मंदिर का नवनिर्माण करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से होगा। मंदिर में 84 ओपन और 24 कवर्ड मिलाकर कुल 108 खंभे बनाए जाएंगे। यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान को और सशक्त करेगा। कार्यक्रम में पहुंचे नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पूजा के बाद संतों और भूमिपूजन में शामिल कन्याओं को 500-500 रुपए भेंट कर आशीर्वाद लिया।

अखंड धूनी, मां नर्मदा की प्रतिमा और भोग व्यवस्था

दादाजी धाम परिसर में 1930 से अखंड धूनी जल रही है। यहीं मां नर्मदा की प्रतिमा भी विराजित है। बड़े दादाजी की समाधि पर दिन में चार बार भोग अर्पित किया जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु और सेवादार यहां रुकते हैं, जिनके लिए भंडारे में सुबह-शाम टिक्कड़-दाल की प्रसादी दी जाती है।

तेलंगाना भाजपा विधायक टी राजा ने पार्टी छोड़ी

हैदराबाद। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने सोमवार को पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। गोशामहल विधायक टी राजा ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना

भाजपा अध्यक्ष बनाने की खबरों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता छोड़ दी। टी. राजा ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि बहुत सारे लोग चुप हैं, इसे उनकी सहमति न समझा जाए। यह लाखों कार्यकर्ताओं के लिए सदमे जैसा है। टी राजा ने केंद्री नेतृत्व से अपील की कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका 12 मजदूरों की मौत और 34 जख्मी

ब्लास्ट के वक्त 150 लोग थे मौजूद

संगारेड्डी ■ एजेंसी

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ। राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। ड्डत वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। उन्होंने कहा कि NDRF, DRF, SDRF की टीमों के साथ ही फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां मौजूद हैं। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है। इधर, पीएम मोदी ने

एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

आ गई तारीख! कल एमपी को मिलेगा नया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पार्टी ने जारी किया चुनाव कार्यक्रम, आज से भरे जाएंगे नामांकन, नतीजे एक दिन बाद आएंगे

भोपाल ■ ब्यूरो

एमपी में दो दिन बाद भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी विवेक सेजवलकर ने सोमवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक एक जुलाई, मंगलवार को शाम 4.30 बजे से 6.30 बजे तक नामांकन पत्र जमा होंगे। शाम 6.30 बजे से 7.30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। शाम 7.30 बजे से 8 बजे तक नाम वापसी होगी। रात 8.30 बजे नामांकन पत्रों की अंतिम सूची घोषित की जाएगी। 2 जुलाई को सुबह 11 बजे से 2 बजे के बीच मतदान होगा। 2 जुलाई को दोपहर 2 बजे से मतों की गणना और फिर परिणाम घोषित होंगे। कल शाम को भोपाल आएंगे चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान-बीजेपी के प्रदेश चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार शाम 4 बजे भोपाल पहुंचेंगे। इसके बाद प्रदेश कार्यालय में संगठन चुनाव के अधिकारी विवेक शेजवलकर और धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में उम्मीदवार 4.30 बजे से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

379 मतदाता करेंगे नए अध्यक्ष का चुनाव

बीजेपी के 379 मतदाता मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में हिस्सा लेंगे। जारी सूची में 4 सांसद और 17 विधायक भी शामिल हैं। सांसदों में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीरेंद्र कुमार खटीक का नाम है।

आज से रेलवे में होने जा रहे बड़े बदलाव, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर तो कुछ मिलेगी राहत

रेल यात्री ध्यान दें! अब 4 नहीं बल्कि 8 घंटे पहले बनेगा रिजर्वेशन चार्ट

नई दिल्ली। देशभर में 1 जुलाई 2025 से कई महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिनका सीधा असर आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी और खर्चों पर पड़ेगा। इनमें पैन कार्ड से लेकर बैंकिंग, रेलवे टिकट बुकिंग, गैस सिलेंडर की कीमत और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियम शामिल हैं। इन नए प्रावधानों के लागू होते ही आपकी जेब पर बोझ बढ़ सकता है या कुछ मामलों में राहत भी मिल सकती है।

तत्काल टिकट बुकिंग पर सख्ती

अब तत्काल टिकट सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जिनका आईआरसीटीसी अकाउंट आधार से लिंक है। जुलाई से ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण जरूरी होगा, जो आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर आएगा। रेलवे एजेंट तत्काल बुकिंग शुरू होने के पहले 30 मिनट तक टिकट नहीं बुक कर पाएंगे।

रेलवे टिकट का बढ़ेगा किराया

रेलवे मंत्रालय 1 जुलाई 2025 से मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी क्लास का किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नॉन-एसी (स्लीपर, सेकंड सीटिंग आदि) श्रेणियों में 1 पैसा और सभी एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से किराया बढ़ाया जा सकता है। 500 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए सेकंड क्लास ट्रेन टिकट की कीमतों और एमएसटी में कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन अगर 500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करनी है, तो फिर यात्री को प्रति किलोमीटर आधा पैसा देना होगा।

किराए में मामूली बढ़ोतरी

इसके साथ ही रेलवे ने यात्रा किराए में भी हल्की बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। नॉन-एसी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर, जबकि एसी क्लास में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से वृद्धि होगी। हालांकि, 500 किलोमीटर तक की यात्रा और मासिक सीजन टिकट (MST) की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पदोन्नति नियम को फिर अदालत में चुनौती

भोपाल। पदोन्नति नियम का विवाद फिर अदालत पहुंच गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को 36 प्रतिशत से अधिक पदों पर पदोन्नति दिए जाने के प्रविधान को चुनौती दी गई है। सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) से जुड़े पशुपालन एवं डेयरी विभाग और विद्युत मंडल से जुड़े कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में नियम के प्रविधानों के विरुद्ध याचिका दायर की है। साथ ही जल्द सुनवाई का आवेदन भी लगाया है। सामान्य वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पदोन्नति नियम 2002 के आरक्षण संबंधी प्रविधानों के विरोध में हाई कोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की थी।

अपना घर आश्रम के 25वें स्थापना दिवस पर गौशाला में उमड़े गौसेवक

गौशाला में प्रारंभ हुआ मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर, विधायक सहित सेवाभावियों ने किया बढ़-चढ़कर सहयोग व दान

निज संवाददाता

शिवपुरी- असहाय, लावारिस व बुजुर्ग लोगों की सेवा के लिए बना एक ऐसा आश्रय स्थल जिसे अपना घर आश्रम के नाम से जाना जाता है। अपना घर आश्रम की अनुकरणीय सेवाओं से अनेकोंजन लाभान्वित हुए और स्वस्थ होकर अपने घर-परिवार के साथ सुख-समृद्धि के साथ जीवन व्यतीत कर रहे है। ऐसे अपना घर आश्रम भरतपुर के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय अपना घर गौशाला में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कलेक्टर रविन्द्र चौधरी, शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन, पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह, पूर्व विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, हरिओम राठौर, समाजसेवी समीर गांधी, संघ से राजेश गोयल रजत, मध्यदेशीय अग्रवाल समाज अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता (तिघरी वाले), एसडीएम अनुपम शर्मा, कपिल मोटर्स के संचालक कपिल गुप्ता, पहारिया सीमेट संचालक शैलेन्द्र गुप्ता सीटू पहारिया, डॉ.दिलीप जैन, एड.विष्णु गोयल, पार्षद विजय शर्मा, लायंस क्लब साउथ, भारत विकास परिषद शाखा शिवपुरी व शाखा तात्याटोपे सहित विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक सहित गौसेवक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर सभी ने विधि-विधान के साथ गौ पूजन किया तत्पश्चात गौशाला की गायों को हाराचारा एवं अन्य खाद्य सामग्री का वितरण कर गौसेवा की। इस अवसर पर अपना घर आश्रम के अध्यक्ष रमेशचन्द्र अग्रवाल, सचिव राजेन्द्र गुप्ता (सेठ), कोषाध्यक्ष गोविन्दप्रसाद बंसल, कैलाश नारायण दुबे, गौरव जैन, धर्मेन्द्र अग्रवाल सहित अपना घर संस्था से जुड़े अनेकों सेवाभावियों ने इस गौसेवा में अपना योगदान दिया। इस दौरान खाटू श्याम भक्तमण्डल की ओर से भजन कलाकारों के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। यहां अपना घर आश्रम के 25वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में वृक्षारोपण और गोसेवा को लेकर विशेष मोटिवेशनल गतिविधियां आयोजित की गई। संस्था के अध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल और सचिव राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि बीते 8 सालों से शिवपुरी में आश्रम के माध्यम से असहाय, लावारिस व बुजुर्ग लोगों की सेवा की जा रही है। वर्तमान में आश्रम में करीब 200 प्रभुजियों की सेवा की जा रही है। हाल ही में गुना जिले से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों को भी यहीं आश्रय और देखरेख मिली। इस दौरान प्रतिदिन गौशाला में सहयोग प्रदान करने वाले प्रवीण गुप्ता एवं विवेक गुप्ता जो कि प्रतिदिन गौसेवक के रूप में सहयोग प्रदान करते है कि वैवाहिक वर्षगांठ भी इस दौरान मनाई गई और केक काटते हुए माल्यार्पण कर बधाई दी।

स्थापना दिवस पर मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर हुआ शुरू, दो माह ही बदली गौशाला की दशा

उल्लेखनीय है कि पहले नगर पालिका द्वारा लुधावली स्थित गोशाला का संचालन अन्य संस्था के माध्यम से कराया जाता था, लेकिन बदहाल स्थिति और गायों की मौतों के चलते 22 अप्रैल से ये संचालन अपना घर आश्रम को दिया गया है। केवल दो महीनों में संस्था ने गोशाला की तस्वीर बदल दी है। इस दौरान गौशाला में करीब 475 गोवंश की सेवा हो रही है, संस्था ने वालंटियरों की मदद से गौवंश के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाए हैं। अपना घर द्वारा शहर में एक विशेष वाहन भी चलाया जा रहा है, जो लोगों से रोटियां एकत्र कर गोमाताओं को खिलाने का कार्य करता है, इसके साथ ही गोशाला में हाल ही में एक मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर भी शुरू किया गया है, जिसमें पॉलीथिन निगल चुके गोवंश का ऑपरेशन किया जाता है। यह सेवा पशु चिकित्सक डॉ. मुकेश गुप्ता और उनकी टीम द्वारा निःशुल्क की जा रही है।

गौशाला में गौसेवक के रूप में विधायक ने दिए 10 लाख, अन्य समाजसेवियों ने भी किया सहयोग

अपना घर आश्रम के 25वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र जैन ने गौशाला का निरीक्षण करते हुए वृक्षारोपण कर संस्था के कार्यों की सराहना की और इन सेवा कार्यों से प्रभावित होकर विधायक देवेन्द्र जैन के द्वारा अपनी विधायक निधि से टीन शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र जैन ने संस्था की सेवा भावना की सराहना की और कहा कि अपना घर आश्रम आज एक आदर्श बन चुका है, जो समाज के वंचित वर्गों के लिए सच्चा सहारा बन रहा है। कार्यक्रम में अन्य समाजसेवियों ने भी सहयोग किया, किसी ने एक लाख रुपए की कुट्टी काटने की मशीन भेंट की तो किसी ने 50 हजार रुपए का म्यूजिक सिस्टम दान किया। लोग तन-मन-धन से गोसेवा में जुटे नजर आए। इन गौसेवकों में गौशाला के सहयोग के लिए सहयोगियों में रमेश अग्रवाल अध्यक्ष अपनाघर आश्रम टीन शेड 3000 फुट, गोविन्द प्रसाद बंसल 1000 फुट टीन शेड, समीर गांधीजी इलेक्ट्रिक लोडिंग वाहन, विवेक शर्मा फर्शी 20000 फुट, गोपाल दास बंसल (भोला ब्रदर्स) कुटी मशीन, प्रयास मंगल बास्तुविद सीलिंग फैन 20, विष्णु अग्रवाल (नाइस स्वीट्स) हैंगिंग गाड़ी, लक्ष्मण दास राठौर द्वारा इन्वर्टर बैटरी, रत्न विजय पंचायती द्वारा म्यूजिक सिस्टम, डॉ दिनेश अग्रवाल द्वारा बीमार गौवंश हेतु 10 गद्दे, एवं अजीत सिंघई द्वारा बीमार गौवंश 4 गद्दे का दान कर सहयोग प्रदान किया गया।

भाजपा मण्डल पुरानी शिवपुरी के द्वारा मन की बात कार्यक्रम का किया आयोजन

भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव हुए शामिल, मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा ने किया स्वागत अभिनंदन, स्मृति चिह्न किया भेंट

निज संवाददाता

शिवपुरी-देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा आयोजित मन की बात कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का आयोजन भाजपा मण्डल पुरानी शिवपुरी के द्वारा बूथ क्र.65 में बूथ स्थानीय फतेहपुर स्थित गीता पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम मन की बात कार्यक्रम में शामिल होने आए भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव का भाजपा मंडल पुरानी शिवपुरी अध्यक्ष गिर्राज शर्मा के द्वारा आगमन पर पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तत्पश्चात सभी ने प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा संचालित मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस दौरान कार्यक्रम समापन पर मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव के द्वारा गीता पब्लिक स्कूल के संचालक पवन शर्मा के साथ विद्यालय का भ्रमण किया और विद्यालय की संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर गीता पब्लिक स्कूल विद्यालय परिवार के द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष का स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में शामिल होने आए मंडल के अनेकों भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाया। अंत में सभी के प्रति मंडल पुरानी शिवपुरी अध्यक्ष गिर्राज शर्मा के द्वारा आभार प्रकट किया गया।

लायंस क्लब शिवपुरी रायजर्स की नवीन कार्यकारिणी गठित

पुनीत गोयल अध्यक्ष, सूरज बंसल सचिव, रमन गुप्ता कोषाध्यक्ष बने

निज संवाददाता

शिवपुरी- युवाओं की समाजसेवी संस्था लायंस क्लब शिवपुरी राइजर्स की सामान्य सभा बैठक में नॉमिनेशन कमेटी के चेयरपर्सन लायन गौरव खंडेलवाल, पौरुष मित्तल, अनुज सर्राफ के द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। इस नवीन कार्यकारिणीय में अध्यक्षीय दायित्व पुनीत गोयल को जबकि सचिव पद की जिम्मेदारी सूरज बंसल को एवं कोषाध्यक्ष रमन गुप्ता का मनोनयन किया गया। इस नवगठित पीएसटी टीम का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और इसके साथ ही वर्ष भर सेवा कार्य करने के लिए कार्यकारणी भी गठित की गई इस कार्यकारिणी में प्रथम उपाध्यक्ष लायन सक्षम जैन, द्वितीय लायन सोनू गोयल, तृतीय उपाध्यक्ष लायन प्रशांत मित्तल, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट लायन शैलेंद्र गर्ग,गाइडिंग लायन गोपींद्र जैन, सह सचिव लायन सौरभ बिंदल, सहकोषाध्यक्ष लायन कोणार्क प्रताप सिंह, क्लब मेंबरशिप चेयरपर्सन लायन संदीप अग्रवाल, एलसीआईएफ कोऑर्डिनेटर लायन अंकित भसीन, सर्विस चेयरपर्सन लायन सीए सेतु अग्रवाल, मार्केटिंग चेयरपर्सन लायन निखिल गोयल, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन गौरव खंडेलवाल, टेल ट्विस्टर लायन राघव राठी, टेमर लायन मोहित बिंदल एवं बोर्ड आफ डायरेक्टर्स पूर्व अध्यक्ष लायन पोरुष मित्तल, पूर्व अध्यक्ष लायन अनुज सराफ, लायन हिमांशु गुप्ता, लायन सीए मोहित जैन, लायन सीए अखिल गोयल को आगामी वर्ष 2025-26 का दायित्व मिला। बैठक में विभिन्न आगामी सेवा प्रकल्पों नेत्र जांच शिविर, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, मेडिकल बैंक व अन्य सेवा गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर लायन कपिल अग्रवाल, लायन शिवम अग्रवाल, लायन राजीव गुप्ता, लायन सौरभ अग्रवाल आदि लायन सदस्य उपस्थित रहे। लायंस क्लब इंटरनेशनल विश्व का सबसे बड़ा सेवा संगठन है, जो वैश्विक स्तर पर नेत्र चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, और मानव सेवा जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। शिवपुरी राइज़र्स शाखा भी इसी उद्देश्य से निरंतर सक्रिय रहती है। कार्यक्रम में सभी नव युवा साथियों ने समाजसेवा का संकल्प लिया।

अमोला पुलिस द्वारा 07 साल से फरार स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में किया पेश

निज संवाददाता

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड के द्वारा समस्त थाना प्रभारियो को अपने थाने के ज्यादा से ज्यादा वारंटियो को गिरफ्तार कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशो के पालन में अति. पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा शिवकुमार मुकाती के मार्ग दर्शन में अमोला थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता के द्वारा बीती रात्रि को कॉम्बिंग गश्त के दौरान स्थाई वारंटी गोपाल उर्फ पप्पू पुत्र पर्वत सिंह गुर्जर उम्र 55 साल निवासी अमोला क्रेशर छान रोड को अमोला क्रेशर से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय करैरा पेश किया गया। इस कार्यवाही में उनि अंशुल गुप्ता,सउनि. हरदयाल जोशी, प्र.आर. भजनलाल, आर. संजीव श्रीवास्तव, आर. रामलक्ष्मन मधुरिया, आर. हिम्मत सिंह, आर. बलवीर सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

गूंजे सुर, सजे मंच अग्रसेन मारवाड़ी महिला मंडल का अनुपम आयोजन

निज संवाददाता

शिवपुरी। अग्रसेन मारवाड़ी महिला मंडल द्वारा होटल कमला हेरिटेज में आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता में रजनीगंधा ग्रुप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह रोचक प्रतियोगिता करीब 20 राउंड तक चली, जिसमें संगठन की महिला मंडली की कुल 8 टीमों ने भाग लिया। रजनीगंधा ग्रुप ने अपने बेहतरीन समन्वय, गायन कौशल और टीम भावना का परिचय देते हुए सभी को प्रभावित किया। विजेता टीम में शामिल सदस्य थीं, इनमें राधा गोयल, राखी गोयल, निधि गोयल, ममता मित्तल, पूनम मंगल, सूची गोयल, सुधा मंगल, उमा बंसल, कुसुम गोयल और रेनू अग्रवाल शामिल रही। इसके अलावा कार्यक्रम में 150 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति ने आयोजन को उल्लासपूर्ण बना दिया। संचालन का जिम्मा संभालते हुए अंकित सक्सेना ने अपने मनोरंजक अंदाज से माहौल को जीवंत बनाए रखा। समापन अवसर पर विजेता व अन्य प्रतिभागी टीमों को सम्मानित किया गया। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण रहा। संगठन की प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष शिल्पी बिंदल, उपाध्यक्ष नेहा मंगल, सचिव पूजा मंगल, कोषाध्यक्ष तृप्ति गोयल, संस्कृति सचिव शालू गोयल, प्रियंका बंसल, कार्यकारिणी सदस्य मोना गर्ग, रानी गोयल, सोनल गर्ग, टीना गुप्ता, मीनाक्षी गोयल, आशू अग्रवाल एवं संरक्षक रेखा अग्रवाल, नम्रता गर्ग, शिखा बंसल, बबिता अग्रवाल, सोनिया गर्ग, मंजू बंसल आदि मौजूद रहे। तत्पश्चात सामूहिक सहभोज का आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने एक साथ बैठकर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृत नाबालिग बालक को किया बरामद

निज संवाददाता

शिवपुरी- थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक नाबालिग बालिका को बरामद करते हुए परिजनों के सुपुर्द कर अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया गया। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन-मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली कृपाल सिंह राठौड़ के द्वारा अपने पुलिस बल के साथ ऑपरेशन मुस्कान के तहत गायब बालक को ढूंढकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।बताना होगा कि थाना कोतवाली में बीती रोज फरियादी उम्र 40 साल निवासी ग्राम कीरतपुर थाना सवलगढ जिला मुरैना हाल छोटा लुहारपुरा थाना देहात जिला शिवपुरी ने अपने लडके उम्र 15 साल के घर से बिना बताये चले जाने की रिपोर्ट थाने पर की थी उक्त प्रकरण में बालक के नाबालिग होने के कारण थाना कोतवाली पर अपराध कमांक 454/25 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीवद्ध किया गया। मामले की अपराध की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एंव नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली कृपाल सिंह राठौड द्वारा टीम बनायी गयी और अपहृत नावालिग बालक की तलास पतारसी हेतु टीम गठित कर रवाना की गई जो बालक के संबंध लगातार तलाश की जाकर बालकों को महज 24 घण्टे के भीतर 28.06.25 को दस्तयाव किया गया। ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृत बालक की दस्तयावी की गई। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली कृपाल सिंह राठौड, उनि. सुमित शर्मा, प्रआर.जयकिशन राणा, प्रआर. रवि कुमार, आर. कुलदीप चतुर्वेदी की विशेष भूमिका रही।

प्रेसवार्ता : गोल्ड लोन के बहाने एक्सिस बैंक ने उपभोक्ता के साथ की धोखाधड़ी

उपभोक्ता ने प्रेस से चर्चा में कहा एक्सिस बैंक से लिए गोल्ड लोन में असली चैन की जगह थमा दी नकली चैन

निज संवाददाता

शिवपुरी। अब तक तो लोग बैंक में अपना सोना गिरवी रखकर उसे सुरक्षित मानते थे लेकिन जब गोल्ड लोन में रखे असली सोने के बजाए उसे नकली मिले तो इसे क्या कहिएगा, यहीं ना कि हो धोखाधड़ी। कुछ इसी तरह का मामला प्रतिष्ठित एक्सिस बैंक में सामने आया है जहां एक उपभोक्ता ने गोल्ड लोन लेने के एवज में अपनी सोने की चैन गिरवी रखी लेकिन जब गोल्ड लोन पूरा करने के बाद चैन वापस ली तो उसे असली के बजाए नकली थमा दी गई, जिससे उपभोक्ता ने बैंक में शिकायत भी लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई तब पूरा मामला प्रेस से चर्चा करते हुए प्रेसवार्ता में खुलासा हुआ। यहां होटल वरूण इन में प्रार्थी कृष्णगोपाल सोलंकी ने प्रेस वार्ता के माध्यम से एक्सिस बैंक पर आरोप लगाया है कि बैंक से गोल्ड लोन लेने के बाद जब उन्होंने समय पर ऋण चुका कर अपने आभूषण वापस लिए, तो उनमें से एक चैन नकली निकली। इस दौरान स्वर्णभूषण का कार्य करने वाले प्रकाश सोनी एवं समाजसेवी लालजी शिवहरे, विपिन शिवहरे भी मौजूद रहे।

शिकायतकर्ता कृष्णगोपाल सोलंकी ने प्रेस से चर्चा करते हुए बताया कि बीते माह नवंबर 2023 में प्रार्थी ने एक्सिस बैंक, शिवपुरी शाखा से गोल्ड लोन लिया था। यह लोन दिनांक 7 नवंबर 2024 को रिन्यू किया गया। उस दौरान बैंक अधिकारी अनिमेष जैन और बैंक द्वारा अधिकृत वैल्यूअर लोकेश सोनी निवासी अमृत बिहार कॉलोनी ने उनके जेवर की शुद्धता 22 कैरेट प्रमाणित की थी। प्रार्थी का कहना है कि उन्होंने 24 जून 2025 को उक्त लोन का पूर्ण भुगतान कर अपना पूरा सोना बैंक से वापस प्राप्त कर लिया। लेकिन जब उन्होंने उसी दिन चैन को एक अन्य गोल्ड लोन कंपनी (कैपरी गोल्ड) में गिरवी रखने हेतु पेश किया, तो वह चैन नकली निकली। उक्त चैन का वजन 31.650 ग्राम था और यह हूबहू असली जैसी प्रतीत हो रही थी। जब इस संबंध में उन्होंने बैंक अधिकारी अनिमेष जैन से संपर्क किया तो उन्होंने किसी भी जिम्मेदारी से साफ इंकार कर दिया और कहा, आपको जो करना है, कर लीजिए। इससे आहत प्रार्थी ने उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। प्रार्थी कृष्णगोपाल सोलंकी के अनुसार विश्वसनीय सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि हाल ही में बैंक में गोल्ड लोन प्रक्रिया में पाई गई अनियमितताओं के चलते वैल्यूअर लोकेश सोनी की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इससे पूरे प्रकरण की गंभीरता और भी बढ़ गई है। इस मामले को लेकर प्रार्थी ने पुलिस थाना कोतवाली में भी शिकायत की है और मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और उन्हें उनकी असली चैन वापस दिलवाई जाए।

मारवाड़ी समाज के सुरेश अग्रवाल (अनुज होटल वाले) बने समाज अध्यक्ष

निज संवाददाता

शिवपुरी- मारवाड़ी अग्रवाल समाज शिवपुरी के द्वारा गत दिवस मारवाड़ी समाज के चुनाव की प्रक्रिया का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से चुनाव अधिकारी एडवोकेट विष्णु गोयल (बंगले वालो)के निर्देशन में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई जिसमें आगामी दो वर्षों के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, यहां सर्वानुमति से समाजजनों के द्वारा मारबाड़ी समाज के अध्यक्ष के रूप में होटल अनुज पैलेस के संचालक व समाजसेवी सुरेश अग्रवाल को समाज अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही समाज की कार्यकारिणी में दायित्ववान पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर आनंद गोयल, तरुण अग्रवाल, सचिव दीपक गोयल, सह सचिव एडवोकेट जय गोयल, कोषाध्यक्ष अनिल गोयल नवनिर्वाचित घोषित किए गए। मारबाड़ी समाज के इस नवगठित कार्यकारिणी के मनोनयन पर उपस्थित समाजजनों के द्वारा माल्यार्पण करते हुए सर्वप्रथम घोषित कार्यकारिणी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तत्पश्चात उपस्थित समाज बन्धुओं ने समाज को संगठित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर मारबाड़ी समाज की इस नव निर्वाचित टीम को बधाई देने के लिए राधेश्याम गुप्ता, डॉ.शैलेन्द्र गुप्ता, अमन गोयल, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, टिंकेश गर्ग, पूर्व अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल एडवोकेट, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष मारवाड़ी समाज, अनुज अग्रवाल, शैंकी अग्रवाल, एडवोकेट मनीष गोयल, उपेंद्र गर्ग एवं उपस्थित सभी मारवाड़ी समाज के मेंबरों ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को बधाई दी।

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के दो जत्थे अमरनाथ रवाना हुये

भोपाल ।ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया मंडल के 111श्रद्धालुओं के तीसरा एवं चौथा जत्था अंडमान एक्सप्रेस एवं मालवा एक्सप्रेस से रवाना हुये। पहले जत्थे का नेतृत्व प्रदीप पटेल द्वारा किया जाएगा ,एवं दूसरे जत्थे का नेतृत्व ब्रजेश पाठक द्वार किया जाएगा । मंडल सचिव रिंकू भटेजा ने आगे बताया कि जिन श्रद्धालुओं का यात्रा पंजीयन किसी कारणवश नहीं हो सका था उनके लिए जम्मू के तीन स्थानो रेलवे स्टेशन के पास वैष्णवी धाम और पंचायत भवन , महाजन सभा शलामार रोड पर ऑफलाइन पंजीयन की व्यवस्था श्राइन बोर्ड द्वारा की गई है । मंडल सदस्यों द्वारा अमरनाथ यात्रियों की बिदाई तिलक एवं फूल माला पहना कर की गई ।

18 घंटे की लगातार सर्चिंग के बाद बरामद हुआ शव, बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव में हुआ हादसा

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

बैरसिया इलाके में दोस्तों के साथ तालाब पर नहाने पहुंचे एक किशोर की नी में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम ने करीब 18 घंटे की सर्चिंग के बाद सोमवार सुबह तालाब से किशोर का शव बरामद किया। इस दौरान रात के समय पुलिस और जिला प्रशासन के अफसरों समेत हजारों की संया में ग्रामीणजन तालाब के किनारे मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार तोहीद (13) ग्राम ललरिया थाना बैरसिया में रहता था। रविवार की शाम करीब तीन बजे वह पैंट और चप्पल पहनकर घर से निकला था। उसके बाद गांव के तालाब पर पहुंच गया। उसके साथ गांव के करीब एक दर्जन अन्य ब÷ो भी थे। यह सभी बच्चे तालाब में नहाने के बाद अपने घर लौट गए, लेकिन तोहीद घर नहीं पहुंचा। आसपास के बच्चों से पूछताछ परपता चला कि तोहीद उनके साथ तालाब पर नहाने के लिए गया था, लेकिन उसके बाद लौटते समय दिखाई नहीं दिया। घरवाले तालाब के पास पहुंचे तो किनारे पर उसकी चप्पल रखी हुई मिली। तालाब में डूबने की शंका होने पर ग्रामीणों ने अपने स्तर पर तोहीद की तलाश शुरू की, लेकिन जब कोई सफलता नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई।

सोमवार सुबह तक चला सर्चिंग अभियान

तोहीद के गायब होने और तालाब किनारे मिली चप्पल की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उसके बाद गोताखोरों और एसडीईआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने सर्च लाईट की मदद से रात करीब दो बचे तक तालाब के अंदर सर्चिंग कराई, लेकिन किशोर का कुछ पता नहीं चल पाया है। सोमवार सुबह करीब छह बजे से दोबारा से तालाब में सर्चिंग शुरू की गई। करीब अट्ठारह घंटों की लगातार सर्चिंग के बाद सुबह करीब ग्यारह बजे तालाब से तोहीद का शव बरामद हुआ। उसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। उसके पहले देर रात परिजनों की रिपोर्ट पर ब卐ो की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। इस साल बारिश के मौसम में भोपाल में तालाब में डूबने की यह पहली घटना है। बच्चे का शव मिलने के बाद परिजनों के साथ ही पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

उत्कृष्ट समाजसेवी पत्रकारिता के लिये वरिष्ठ पत्रकार मनोज द्विवेदी सम्मानित

श्रमजीवी पत्रकार संघ के रतलाम सम्मेलन में बढा अनूपपुर का गौरव

दीनबन्धु ■ अनूपपुर www.dinbandhunews.com

जिले के वरिष्ठ समाजसेवी पत्रकार श्री मनोज द्विवेदी को उत्कृष्ट , निष्पक्ष , समाजसेवी पत्रकारिता के लिये सम्मानित करते हुए उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के रतलाम में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन 2025 में उत्कृष्ट एवं निष्पक्ष समाजसेवी पत्रकारिता के लिये रतलाम जिला ईकाई द्वारा

पूर्व गृहमंत्री श्री हिम्मत कोठारी, रतलाम महापौर श्री प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा, संगठन के अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के साथ प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार श्री शरद जोशी , मो रिजवान अहमद सिद्दीकी, मो अली , श्री दिनेश अग्रवाल, श्री अजीत मिश्रा, श्री कृष्ण कांत तिवारी, श्री बाबा पाठक, श्री नीरज सिंह ,राजेश पयासी, श्री चंद्रकांत द्विवेदी, श्री गजेन्द्र सिंह के साथ प्रदेश कार्यसमिति एवं सभी जिला संगठन के पत्रकार साथियों की उपस्थिति में सार्वजनिक मंच से प्रशस्ति पत्र, साल , श्रीफल प्रदान कर एवं माल्यार्पण करके अभिनन्दन किया गया।

श्री द्विवेदी को सम्मानित करते हुए कहा गया कि दैनिक कीर्तिक्रांति अनूपपुर के स्थानीय संपादक एवं ईएमएस न्यूज सर्विस के अनूपपुर जिला ब्यूरो श्री मनोज द्विवेदी इससे पूर्व अक्षरशः ,स्वतंत्रमत जैसे समाचार पत्रों में लेखन के साथ 1984 से स्वतंत्र लेखन करते रहे हैं। तीन दशक में विभिन्न समाचार पत्रों मे उनके विभिन्न लेखों का प्रकाशन हुआ है । मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ में वे जिला महा सचिव, जिलाध्यक्ष, शहडोल संभाग के अध्यक्ष, प्रदेश सचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष, अध्यक्ष मण्डल के प्रदेश सह संयोजक, प्रदेश के सह निर्वाचन अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके श्री द्विवेदी वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष पर कार्यरत हैं । उन्होंने जिले की पत्रकारिता में सर्वप्रथम डिजिटल माध्यम से समाचार प्रेषण - प्रकाशन का कार्य शुरु किया। वे अनूपपुर जिले के प्रथम दैनिक समाचार पत्र के पहले संपादक हैं। उन्हे सम्मानित करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक होने के बावजूद आपकी पत्रकारिता सत्य, निष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायी रहते हुए कार्य किया। आपने पत्रकारिता के उच्च मानदंड स्थापित करते हुए सामाजिक जागरुकता और राष्ट्रीय चेतना जागृत करने के लिये सतत कार्य किया।

आयोजन समिति एवं सभी शुभचिंतकों ने इसे रतलाम की पावन धरा पर अनूपपुर का सम्मान बतलाते हुए मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया एवं आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए श्री द्विवेदी को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ जीवन और निररंतर प्रगति की कामना की हैं ।

तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदाय किया ,एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

पोषण ट्रेकर एप का प्रशिक्षण निचले अमले को अवश्यक दे, अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें: मंत्री सुश्री भूरिया

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश में पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों के शारीरिक माप (ऊंचाई, वजन एवं आयु के अनुपात में पोषण स्थिति) से संबंधित आंकड़ों का सतत विश्लेषण किया जा रहा है। इन आकड़ों के आधार पर राज्य में पोषण स्तर में सुधार के लिए त्वरित एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना बनाई जा रही है। सुश्री भूरिया ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप न केवल बच्चों के शारीरिक माप बल्कि बच्चों के कुपोषण की स्थिति जैसे बोनापन, कम वजन आदि की पहचान में भी सहायक है। इसकी सफलता काम कर रहे इस बात पर निर्भर करती है कि निचले स्तर के अमले इस ऐप का उपयोग सही तरीके से कर रहे है अथवा नहीं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सुपरवाइजर सभी को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। निरंतर मॉनिटरिंग करने से त्रुटि को पकड़ा जा सकेगा।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिस तरह झाबुआ जिले में मोटी आई के कन्सेप्ट से कुपोषण में कमी हुई है। इसी तरह अधिकारियों को नवाचार करना चाहिए। हर बच्चे का रिकार्ड रखें, उनकी निगरानी करें। अधिक कमजोर बच्चों को चिकित्सीय सहयोग उपलब्ध कराएं।

अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप के आँकड़े और वास्तविक आँकड़ों मे फर्क इसलिए दिखता है क्योंकि हम सही मॉनिटरिंग नहीं कर रहे है। हर स्तर पर डेटा की मॉनिटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहॉ बालिकाओं के लिए लाडली लक्ष्मी योजना शुरू कि गई, महिलाओं को हर महीने लाडली बहना के तहत निश्चित राशि अंतरित की जा रही है। पर इस बात की मॉनिटरिंग भी होनी चाहिए कि महिलाएं इस राशि का उपयोग कर अपने बच्चों के पोषण पर ध्यान रख रही है अथवा नहीं। श्रीमती शमी ने कहा कि यह कार्यशाला डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप एक डेटा-ड्रिवन अप्रोच के जरिए प्रदेश के बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने और उन्हें सुपोषण की ओर ले जाने मे महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने कहा कि कुपोषण एक बड़ी समस्या है जिसके अनेक कारण है। जिस क्षेत्र मे कुपोषण के आँकडे बड़े हुए है, वहां पर संबंधित अधिकारी को हर स्तर पर इसकी जाँच करना होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी को एनआरसी की पूरी जानकारी होना चाहिए कि उसमें कितने बेड खाली है, डॉक्टर्स से निरंतर बात कर ﬘ ﬘बच्चों की जानकारी लें। कुपोषण को दूर करने लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय अत्यन्त महत्वपूर्ण है। श्रीमती वली ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप में सही उपयोग से कुपोषण की पहचान करना, समय पर हस्तक्षेप करना और कुपोषण को कम करना संभव है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के बीच कनर्वेजेन्स सुनिश्चित करके अधिक प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है।

इस अवसर पर विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती स्वर्णिमा शुक्ला ने पीपीटी के माध्यम से पोषण ट्रेकर ऐप तथा कुपोषण की जिलेवार स्थिति की जानकारी दी। कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों को भारत सरकार के पोषण ट्रेकर ऐप एवं राज्य स्तर से क्रियान्वित संपर्क ऐप के बारे में तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदाय किया गया।

निगम अमले ने एमपी नगर जोन-01 व 02 के नो पार्किंग क्षेत्र से जप्त किए कंडम वाहन

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा आवागमन में बाधक वाहनों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है साथ ही समय-समय पर जिला प्रशासन पुलिस विभाग द्वारा किए जाने वाली कार्यवाही में भी सहयोग किया जा रहा है। इसी तारतय में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने जिला प्रशासन की कार्यवाही में सहयोग करते हुए एम.पी. नगर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से खड़े किए गए कंडम वाहन जप्त करने की कार्यवाही की।

लापरवाह अधिकारीयों पर होगी सख्त कार्यवाही: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि समय पर काम नहीं करने वाले लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही होगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 66 में जनसंपर्क के दौरान जनता की समस्याओं को सुन रही थी। उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र में जे.के. रोड स्थित गोयल अपार्टमेंट क्षेत्र के रहवासियों द्वारा नाली सफाई, जर्जर सर्विस रोड और रात्रि के समय अंधेरे के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि जन समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इंद्रपुरी -ए- सेक्टर में जनसंपर्क के दौरान पार्क की स्वच्छता, घास की कटाई एवं सौंदर्यीकरण के लिये आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही नाली में जमा कचरे की शीघ्र सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्तीसगढ़ लेबर कॉलोनी का निरीक्षण कर रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय समस्याओं विशेषकर नाली सफाई, नाली निर्माण और सीवेज लाइन से संबंधित प्रकरणों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

छत्रसाल नगर फेस- 1 के रहवासियों ने बताया कि आसपास की कॉलोनियों में जल भराव हो जाता है। सड़के जर्जर हो चुकी हैं, पेयजल की भी समस्या है। राज्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सड़क बनाने और पानी की टंकी का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। रविदास नगर के पार्क में पौधरोपण किया और रहवासियों की मांग पर गणेश उत्सव के पहले शेड निर्माण, पेपर ब्लॉक व फ्लोरिंग कार्य कराए जाने के लिये निर्देश दिए। साथी ही नर्मदा जल के लिए बल्क कनेक्शन दिए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। भारत नगर में जर्जर हो गई सड़कों के निर्माण, पार्क की बाउंड्री वॉल और सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। नैनागिरी आजाद पार्क में नाले पर से अतिक्रमण हटाने और नाले की सफाई के निर्देश दिए। बार-बार बिजली जाने और वोल्टेज कम होने की शिकायत को दूर करने अधिकारियों को निर्देशित किया। छत्रसाल नगर फेज -2 में शहीद मनोज सोनी स्मृति पार्क के सौंदर्यकरण, हाईमास्ट लगाने और पेड़ों की छटाई के निर्देश दिए। कॉलोनियों की नालियां चौक हो गई है, उन्हें साफ करने, सीवेज लाइन की मरम्मत और जर्जर सड़कों को बनाने के निर्देश भी दिए। कर्मवीर नगर पार्क में नवनिर्मित कम्युनिटी हॉल का निरीक्षण कर अधूरे कार्य को जल्द पूरा करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान पार्षद श्रीमती शिरोमणि शर्मा, श्रीमती उर्मिला मोर्य, लवकुश यादव, सुभाष पगारे, भीकम सिंह बघेल, राकेश राजपूत, छोटू पंडित और अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल कारखाना में 15 रेल कर्मचारियों को दी भावभीनी बिदाई

माह जून के अंतिम दिन पश्चिम मध्य रेलवे के 206 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

दीनबन्धु ■ भोपाल/जबलपुर
www.dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत दो अधिकारी एवं एक कर्मचारी सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों के कुल 206 रेलकर्मी सोमवार 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त हुए।

पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 30 जून 2025 को अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री ने उप सचिव (गोपनीय) डॉ. रमेश राव एवं उप वित्त सलाहकार (ट्रैफिक) नागेश कुमार चंद्रायन एवं वरिष्ठ खण्ड अभियंता (विघुत) बसंत कुमार सोनी के अधिवार्षिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गई। सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. डी. पाटीदार, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर एवं मुख्य विघुत इंजीनियर श्री जे आर मीना सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सोमवार को सेवानिवृत होने वालों में मुख्यालय में 2 अधिकारी एवं 1 रेल कर्मचारी, जबलपुर मंडल में 56 रेल कर्मचारियों, जबलपुर निर्माण में 01 रेल कर्मचारी, भोपाल मण्डल में 51 रेल कर्मचारियों, भोपाल कारखाना में 15 रेल कर्मचारियों, को भावभीनी बिदाई दी गई श्री सी एम तिवारी को कारखाने में स्वागत कर भावभीनी विदाई दी सीनियर अधिकारी मनोज अग्रवाल ने आपके अनुभवों का कारखाना कर्मचारियों को मिलता रहे और जब हमारी जरूरत हो तैयार हे, साथ ही भोपाल निर्माण में 01 रेल कर्मचारी, कोटा मण्डल में 64 रेल कर्मचारियों, कोटा कारखाना में 12 रेल कर्मचारियों एवं कोटा निर्माण में 3 रेल कर्मचारी सहित पमरे पर कुल 206 रेल कर्मियों की सेवानिवृत्ति हुई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनाए दी गई।

रेल कोच कारखाना से ये हुए सेवानिवृत

भोपाल रेल कोच कारखाना से आज 15कर्मचारी सेवानिवृत हुए उनमें सर्व श्री चंद्रमोल तिवारी,वीरेंद्र कुमार बड़गेया,जमना भारद्वाज,नारायण करोले,गणेश थोमरे,शेख अहमद,धन्नालाल पाटीदार,रमेश,दगम कृष्ण ,विश्वनाथ, कन्हैया लाल, एम डी जाफरी,सुख देव दुर्गाचरण, सवर्ण कुमार ,नसीम खान को भावभीनी बिदाई दी गई।

एम्स भोपाल की टीम ने सांची में लगाया स्वास्थ्य शिविर

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

नवाचार, जनसेवा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के संकल्प के साथ एम्स भोपाल निरंतर अपनी सामाजिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है। इसी क्रम में, संस्थान के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के सक्षम मार्गदर्शन में आज सांची सिविल अस्पताल (जिला विदिशा) में एक दिवसीय आउटरीच मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 30 से अधिक मरीजों की जाँच एवं उपचार किया गया। शिविर में प्रमुख रूप से एएनसी (गर्भवती महिलाओं की जांच), सिरदर्द, कमर दर्द ऑस्टियोआर्थराइटिस बुखार, तीव्र श्वसन संक्रमण जैसी बीमारियों की पहचान की गई, और मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई। गंभीर रोगियों को आवश्यकतानुसार एम्स भोपाल में आगे के इलाज हेतु रेफर किया गया। एम्स भोपाल की चिकित्सकीय टीम में डॉ. आशीष कुमार दीक्षित (होम्योपैथी, आयुष), डॉ. अदिति (सीएफएम), डॉ. सौम्या (सर्जरी), डॉ. अविनाश (सीएफएम) एवं डॉ. स्वेतांशु (इंटर्न) शामिल रहे। सभी चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए मरीजों की सेवा में योगदान दिया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ÷एम्स भोपाल की यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुँचाने का माध्यम है, बल्कि यह संस्थान की उस सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है, जिसके तहत हम ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। भविष्य में भी ऐसे और अधिक शिविरों के आयोजन के लिए एम्स भोपाल सदैव तत्पर रहेगा।÷ स्थानीय नागरिकों और अस्पताल प्रशासन ने इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों की निरंतर आवश्यकता पर बल दिया।

संपादकीय

आदिवासी अधिकारों व न्याय संघर्ष के लिए एक प्रेरणा है हूल विद्रोह

संथाल विद्रोह या हूल विद्रोह ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रथम व्यापक सशस्त्र विद्रोह था जो ब्रिटिश शासन काल में जमींदारों तथा साहूकारों द्वारा किये जाने वाले अत्याचारों के खिलाफ किया गया था। हूल विद्रोह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना है जिसने न केवल ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासी प्रतिरोध को उजागर किया, बल्कि आदिवासी अधिकारों और शोषण के खिलाफ संघर्ष के लिए एक प्रेरणा भी प्रदान की। यह विद्रोह आज भी प्रासंगिक है क्योंकि आदिवासी समुदायों को आज भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, और यह विद्रोह उनके अधिकारों के लिए लड़ने और न्याय प्राप्त करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करता है। यह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला संगठित आदिवासी विद्रोह था। इसने आदिवासी समुदायों द्वारा सामना किए जा रहे शोषण को उजागर किया और भारत में बाद के आदिवासी आंदोलनों को प्रभावित किया। हूल का अर्थ होता है विद्रोह या क्रांति। यह शब्द संथाल आदिवासी समुदाय द्वारा उनके अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़े गए, संघर्ष को दर्शाता है। इतिहासकार वाल्टर हॉउजर ने अपनी पुस्तक आदिवासी एंड द राजः सोसियो एकोनोमिक ट्रांजिक्शन आफ द संथाल इन ईस्टर्न इंडिया में संथाल हूल विद्रोह या हुल विद्रोह को हक की लड़ाई और ब्रिटिश सरकार के नीतियों के खिलाफ संघर्ष के रूप में देखा। जब अंग्रेजी हुकूमत के आगमन के बाद, जमींदारी प्रथा ने संथालों की जमीनों पर कब्जा कर लिया। आदिवासी समुदाय को उनकी जमीनों से बेदखल कर दिया गया और अत्यधिक करों और उच्च ब्याज दरों पर ऋण लेने के लिए मजबूर किया गया। साथ ही कर को इतना अधिक बढा दिया गया कि कर चुकाना भी मुश्किल हो जाता था। ब्रिटिश भी इतने थे कि शातिर थे कि अगर जो भी कर चुका नहीं पाता था तो उस पर मुकदमा चलाया जाता, जिससे और अधिक प्रताड़ित किया जाता था। ब्रिटिश अत्याचारों से संतालों की सामाजिक और सांस्कृतिक तानाबाना को प्रभावित हो रही थी। अंग्रेजों द्वारा नियोजित कर-संग्रह करने वाले महाजन जमींदार बिचौलियों के रूप में अर्थव्यवस्था पर हावी हो गए। कई संथाल भ्रष्ट धन उधार प्रथाओं के शिकार हो गए। उन्हें अत्यधिक दरों पर पैसा उधार दिया गया था। जब वे कर्ज चुकाने में असमर्थ थे, तो उनकी जमीनों को जबरन छीन लिया गया और उन्हें बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर कर दिया गया। 30 जून 1855 को, इनलोगों ने लगभग 60,000 संथालों को लामबंद किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की। विद्रोह का नेतृत्व चार मुर्मू भाइयों - सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव तथा दो जुड़वां मुर्मू बहनें - फूलो और झानो ने किया। इनलोगों ने नेतृत्व में 30 जून, 1855 ई.को वर्तमान साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव से प्रारंभ हुए इस विद्रोह के मौके पर सिद्धू ने घोषणा की थी- करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। इस आशय का प्रस्ताव भागलपुर के कमिश्नर को सौंपा था। यह घोषणा महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से 57 साल पहले दिया गया था। यह क्रांति झारखंड के वर्तमान साहेबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से शुरू हुई और उत्तर-पश्चिम में भागलपुर और दक्षिण में कोलकाता के आसपास तक फैल गई। इसकी शुरुआत लगभग 10,000 युवाओं के उत्पात मचाने से हुई, लेकिन यह धीरे-धीरे बढ़ती गई और सात महीने की अवधि में इसमें लगभग 20 गुना लोग शामिल हो गए। निश्चित रूप से, इस क्रांति ने एक मिसाल कायम की और इस क्षेत्र में भविष्य के विद्रोहों पर इसका प्रभाव पड़ा,जिसमें 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मुंडा विद्रोह भी शामिल है। आदिवासी क्षेत्रों में, अंग्रेज अपनी शोषणकारी गतिविधियों को लगभग पूरी तरह से जमींदारों को सौंप देते थे, कभी-कभी गरीबों को होने वाले नुकसान की मात्रा का एहसास भी नहीं करते थे। आदिवासियों के लिए, तत्काल हमलावर दिकू था - कोई भी बाहरी व्यक्ति जो उनके संसाधनों पर अतिक्रमण करता था। इसलिए, आदिवासियों का प्राथमिक संघर्ष हमेशा जमींदारों के खिलाफ होता था। लेकिन जैसे ही जमींदारों पर हमला होता, ब्रिटिश प्रशासन आदिवासियों पर कहीं अधिक अत्याचार करता, जिससे यह एक अंतहीन परीक्षा बन जाती। ऐसे मामलों में, आदिवासियों के पास अक्सर हिंसक प्रतिशोध के अलावा कोई विकल्प नहीं होता था 30 जून 1855 को हुल ! हुल ! के नारे के साथ कान्हू और सिद्धो ने 10,000 संथाल पुरुषों के एक समूह का नेतृत्व किया और भोगनाडीह के स्थानीय बाजार में व्यापारियों और महाजनों पर हमला किया। करीब एक दर्जन लोग मारे गए। एक हफ्ते बाद, 7 जुलाई को सिद्धो ने दरोगा महेश लाल दत्ता की हत्या कर दी, जिन्हें एक बार फिर उपद्रव को दबाने के लिए भेजा गया था। सिद्धो बीर सिंह की मौत का बदला ले रहा था; यह बदला अपने शुद्धतम रूप में था, और उसने इसे छिपाने का कोई प्रयास नहीं किया। अगले दिन, मुर्मू भाइयों के नेतृत्व में संथाल पाकुड़ पहुंचे, जो जमींदारों का गढ़ था। यहां, चारों भाई सबसे अमीर जमींदार राजे मदन मोहन के घर में घुस गए, चांदऔर भैरव के नेतृत्व में संथालों का एक समूह मुर्शिदाबाद की ओर बढ़ा, जहाँ उन्होंने 14 जुलाई को नील कारखाने पर हमला किया। हालाँकि, मजिस्ट्रेट के लगभग 200 गार्डों के दल ने उनका मुकाबला किया। नतीजतन, समूह ने रेलवे बंगलों को जलाना शुरू कर दिया और तब तक किए गए सभी निर्माण को नष्ट कर दिया। कई अंग्रेज और दो अंग्रेज महिलाएँ मारे गए। जब सिद्धो को इस बात का पता चला, तो उसने इस कृत्य की निंदा की और अपने छोटे भाइयों को फटकार लगाई, इस बात पर जोर देते हुए कि उनकी लड़ाई में एक निश्चित आचार संहिता का पालन किया जाना चाहिए जो ईश्वर द्वारा निर्देशित थी। इसका मतलब उन लोगों की जान बख्शना था जिन्होंने संथालों का शोषण नहीं किया था। अब तक हुल को किसी भी गंभीर प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा था। इसकी मुख्य वजह यह थी कि आस-पास के इलाके में कोई भी ब्रिटिश सैनिक मौजूद नहीं था, जो उपद्रव के इलाके में जल्दी से पहुँचकर विद्रोह को दबा सके। दरअसल, सरकार को यह उम्मीद नहीं थी कि शांतिप्रिय संथाल इतने उग्र हो जाएँगे कि वे उन पर धनुष-बाण तान देंगे। इस अज्ञानता के कारण, अंग्रेजों को बहुत देर से एहसास हुआ और वे हैरान रह गए, क्योंकि लंबे समय तक चलने वाले विद्रोह के लिए मंच तैयार हो चुका था। इसके तहत, संथालों ने बुरहैत पर कब्जा कर लिया था, जो उनका मुख्यालय बन गया। मुर्मू भाइयों को पालकी में बिठाकर घुमाया गया, मानो वे जमीन के नए मालिक बन गए हों। इसके साथ ही भागलपुर के कमिश्नर डी.एफ. ब्राउन ने मेजर एफ.डब्ल्यू. बरोज के नेतृत्व में हिल रेंजर्स की एक टुकड़ी को स्थिति से निपटने के लिए भेजा। पीरपैंती में चांद और भैरव के नेतृत्व में संथालों ने सैनिकों पर भीषण हमला किया और अंततः 16 जुलाई को उन्हें पराजित होना पड़ा। इससे बेहद शर्मिंदा और हैरान कमिश्नर ने दीनापुर में तैनात मेजर जनरल लॉयड से और अधिक सैनिकों की मांग की। करीब एक हफ्ते बाद 25 जुलाई को उन्होंने मार्शल लॉ लगाने की भी मांग की। पांच दिन बाद फोर्ट विलियम ने कमिश्नर के अनुरोध को अवैध करार देते हुए अपना आदेश वापस ले लिया। इस बीच हूल की आवाज बीरभूम और हजारीबाग तक पहुंच गई, जहां लड़ाकों ने जेल पर धावा बोल दिया और उसे आग के हवाले कर दिया। अगस्त 1855 की शुरुआत में, नादिया के कमिश्नर ए.सी. बिडवेल को विद्रोह को दबाने के लिए एक विशेष कमिश्नर के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने संथालों से आत्मसमर्पण करने और नेताओं को छोड़कर सभी को माफी देने का आश्वासन देते हुए एक घोषणा जारी की। सिद्धो कान्हू द्वारा बुलाई गई एक बैठक में, इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद, महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 30,000 संथाल गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को अपनी याचिका प्रस्तुत करने के लिए कलकत्ता की ओर कूच करने लगे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने अपनी नजर में आने वाले हर महाजन का शिकार किया। पहले से ही, संथाल ग्रैंड ट्रंक रोड के साथ हर नदी पर तैनात सैनिकों के खिलाफ लड़ाई करके कलकत्ता के करीब पहुँच चुके थे। अन्य स्थानों पर, उन्होंने टेलीग्राफ, डाक और रेलवे संचालन को नष्ट कर दिया। आदिवासियों द्वारा अंग्रेजों के विरुद्ध किये गए विद्रोह को हूल क्रान्ति दिवस के रूप में जाना जाता है। अंग्रेजों से लड़ते हुए लगभग 20 हजार आदिवासियों ने अपनी जान दी थी।1856 ई. में बनाया गया मार्टिलो टावर आज भी संथाल विद्रोह की याद ताजा करता है तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी सर मार्टिन ने उक्त टावर का निर्माण कराया था इतिहासकार बताते हैं कि जब संथालों द्वारा विद्रोह किया गया था तो उन पर नजर रखने और प्रतिरोध करने के लिए अंग्रेजी सैनिकों ने मार्टिलो टावर का सहारा लिया। इतिहासकार हंटर की पुस्तक में लिखा है कि अंग्रेजों का कोई भी सिपाही ऐसा नहीं था, जो आदिवासियों के बलिदान को लेकर शर्मिंदा न हुआ हो। इसमें करीब 20 हजार वनवासियों ने अपनी जान दी थी। संथालों के आदिम हथियार ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के बारूद के हथियारों का मुकाबला करने में असमर्थ साबित हुए। 7वीं नेटिव इन्फैंट्री रेजिमेंट, 40वीं नेटिव इन्फैंट्री और अन्य से टुकड़ियों को कार्रवाई के लिए बुलाया गया। प्रमुख झड़पें जुलाई 1855 से जनवरी 1856 तक कहलगाँव, सूरी, रघुनाथपुर और मुनकटोरा जैसी जगहों पर हुईं। इतिहासकारों के अनुसार संथाल परगना के लोग प्रारंभ से ही आदिवासी स्वभाव से धर्म और प्रकृति के प्रेमी और सरल होते हैं। इसका जमींदारों और बाद में अंग्रेजों ने खूब लाभ उठाया। इतिहासकारों का कहना है कि इस क्षेत्र में अंग्रेजों ने राजस्व के लिए संथाल, पहाड़ियों तथा अन्य निवासियों पर मालगुजारी लगा दी थी।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस आज

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

लेखक- ललित गर्ग

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, सेहत सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं। 2025 की थीम है ह्यमास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभालह्न उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता- वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता। हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है। डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भूत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है।

जगन्नाथ की त्रिभुवन में महिमा

डॉ. रीना रवि मालपानी

जगन्नाथ भगवान रथ पर आरूढ़, भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करने वाले नीलांचल अर्थात पुरी में निवास करने वाले नारायण श्री हरि कृष्ण स्वरुप जगत कल्याण के लिए रथ पर सवार होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते है। कृष्ण नाम तो मोक्ष प्राप्ति का सहज एवं सरल मार्ग है। भक्तों के संरक्षक पालनकर्ता भाई बलभद्र और लाड़ली सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकले है। सनातन धर्म में चार धाम यात्रा का उल्लेख है, जिनमें चार स्थान श्री हरि विष्णु नारायण ने विभिन्न कार्यों के लिए चयनित किए है। उत्तर में बद्रीनाथ में प्रभु की ध्यान स्थली है। दक्षिण में रामेश्वर में प्रभु स्नान करते है। पश्चिम में द्वारिका में विश्राम करते है एवं पूर्व में जगन्नाथ पुरी में भोजन ग्रहण करते है। प्रभु ने भक्तों के मनोरथ पूर्ण करने के लिए और असीम श्रृद्धा भक्ति के लिए चारों दिशाओं को चयनित किया है जिससे भक्त सहज ही ईश्वरीय आराधना से जुड़ सकें। विष्णु श्री हरि नारायण वही स्वरुप है जो कृष्ण बनकर देने पर आ जाए तो तीन मुट्ठी चावल में तीनों लोक प्रदान कर दे और जब वामन स्वरुप में आ जाए तो तीन पग से तीनों लोक नाप ले। प्रभु की प्रत्येक लीला भक्त के ईश्वर के प्रति असीम विश्वास को उजागर करती है। जगन्नाथ पुरी धाम में प्रथम भवन नीलांचल है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ निवास करते है और दूसरा है सुन्दरांचल जिसमें गुंडीचा मंदिर है। भगवान जगन्नाथ स्वरुप में भक्तों के भाव वाला भोजन ग्रहण कर उन्हें भावों की माला से जोड़ते है। अपनी माया से छप्पन भोग प्रकट करने वाले जगत के नाथ जगन्नाथ भक्त के अनुग्रह पर भोग ग्रहण कर तृप्ति का अनुभव करते है। प्रभु के विभिन्न स्वरुप में प्रत्येक समय ईश्वर की असीम भक्ति से जुड़ने का सन्देश देते है। नीलांचल में विराजमान भगवान जगन्नाथ सभा का आयोजन भी करते है, बीमार भी होते है, औषधि ग्रहण करते है, शरीर त्यागते है, नवीन शरीर ग्रहण करते है और यदि भक्त दर्शन का अभिलाषी हो तो भगवान अपनी दिनचर्या भी परिवर्तित कर देते है। एकादशी के दिन चावल में निवास करने वाले पाप से जगन्नाथ धाम में भक्तों को मुक्त करते है और दैनिक दिनचर्या अनुरूप चावल की खिचड़ी और व्यंजनों का प्रसाद स्वीकार ग्रहण करते है। ब्रह्म तत्व धारण करने वाले भगवान जगन्नाथ भक्तों की पुकार पर स्वयं अपने गर्भ गृह से निकलकर जन सामान्य के बीच आते है। ईश्वरीय लीला कभी भी अकारण नहीं होती, वह तो विधि का विधान होती है जिसमें भक्त का हित और गहरी ईश्वरीय आस्था निहित होती है। जिनकी ईच्छा के बिना पुष्प नहीं खिल सकते एक तुच्छ तृण भी गंतव्य नहीं हो सकता उन प्रभु की रथ यात्रा को भक्त गंतव्य तक पहुंचाते है। यह सब सृष्टि के नियामक चक्र में कितनी मनोहारी और अनोखी लीला है भगवान जगन्नाथ की। कुछ समय के लिए प्रभु बीमार हो जाते है, औषधीय काढ़ा ग्रहण करते है और लाड़ली सुभद्रा के अनुग्रह पर अपनी मौसी गुंडीचा के घर पर निवास करते है। जगन्नाथ भगवान वही श्री कृष्ण का स्वरुप है जो माँ को मातृत्व सुख प्रदान करने के लिए अनूठी लीलाएँ करते है। कभी काल कोठरी में बंद कर दिए जाते है तो कभी रस्सी से बाँध दिए जाते है, तो फिर भला मातृ तुल्य मासी का आग्रह कैसे अस्वीकार कर सकते है। मौसी अपने दुलारे को प्रत्येक प्रकार से मिष्ठान भोग, दूध, रबड़ी, माखन परोसकर अपने प्रेम अनुराग में कहीं भी न्यूनता नहीं होने देती है। मौसी के मनुहार के पहले जगन्नाथ भगवान जन सामान्य के कष्टों का भी निवारण करते है और भक्तों के दर्शन प्रदान कर असीम भक्ति की क्षुधा को शांत करते है। मौसी के घर पहुँचने पर मीठी मनुहार हो सहर्ष स्वीकार करते है, मौसी अपने लाडलों की प्रतीक्षा में एकटक रास्ता निहारती रहती है। करुणा के सागर भक्त की ईच्छा को पूर्ण न करें यह संभव नहीं है, इसीलिए लाड़ली सुभद्रा और मातृ तुल्य गुंडीचा मौसी दोनों की इच्छां भगवान जगन्नाथ पूरी करते है। जगन्नाथ भगवान का नगर भ्रमण भक्तों में अनूठे उत्साह का संचार करता है। भक्तों की आतुरता और भक्तों का सैलाब प्रभु के दर्शन के लिए उमड़ पड़ता है। रथ पर आरूढ़ भगवान जगन्नाथ के दर्शनाभिलाषी सुदूर स्थानों से एकत्र होते है। प्रभु की छवि के दर्शन का सौभाग्य विरलों को ही मिलता है। रथ खींचने की होड़ में भक्ति की असंख्य श्रृंखला अविराम प्रतीक्षा करती है। जगन्नाथ रथ यात्रा कोई सामान्य रथ यात्रा नहीं है बल्कि जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त करने वाली असंख्य पापो को क्षण में नष्ट करने वाली साक्षात मोक्ष प्राप्ति और अनंत आस्था का द्वार है। संचित पुण्यों का प्रतिफल ही जगन्नाथ रथ यात्रा का दर्शन है। भक्ति कुछ नहीं ईश्वर के प्रति असीम विश्वास है, जो अप्रिय प्रतीत होने पर भी सदैव हित प्रदान करती है। भक्ति के वशीभूत होकर प्रभु प्रत्येक लीला के लिए तत्पर रहते है। सृष्टि के पालनहार का बीमार होना, शरीर परिवर्तित करना, औषधि काढ़ा ग्रहण करना, मौसी के प्रेम दुलार को प्राप्त करना, मातृत्व की असीम अनुभूति कराना, यह सब प्रभु की सुन्दर लीला का स्वरुप है। जगन्नाथ रथ यात्रा के जय घोष से भक्ति का अनुपम वातावरण निर्मित होता है जो भक्तों के विश्वास को जीवंत रखता है। आइये इस जगन्नाथ रथ यात्रा में मानसिक या शारीरिक रूप से शामिल होकर प्रभु से एकाकार होने का प्रयास करें।

ओ सोनम तू सोच जरा

ओ सोनम तू सोच जरा,
ये तुमने क्या कर डाला।
इक लालच के पीछे तुमने ,
जीवन हिंसक कर डाला।।
कितना भोला कितना प्यारा ,
था अपनी माँ का राज-दुलारा ।
स्वार्थ पूरा करने तुमने,
शादी का स्वाँग भी रच डाला ॥
जीवन खिलौना बना के तुमने ,
खेल मौत को रच डाला।।
बन कर नर पिशाचिनी तुमने,
देवी रूप मिटा डाला।।
क्या सोचा था राज करूँगी ?
मन चाहा जो काज करूँगी।
चाहे जितना पाप करूँ मैं,
फिर भी नजरों में साफ रहूँगी।।
पर भूल गई उस परम पिता को,
देख रहा जो सारे जहाँ को।
सबको कर्मों का फल देता,
रिश्वत कभी ना किसी से लेता।।
अब काल कोठरी के अंदर ही,
सोचोगी यह क्या कर डाला।
इक छोटे से लालच में ही,
जीवन हिंसक कर डाला।।

सरोज लता सोनी

चीन नहीं देश सर्वोपरि है भारत माता में हूँ नतमस्तक

लेखक- संजय गोस्वामी

शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक चीन के चिंगदाओ में 25-26 जून को आयोजित की गई थी।बैठक के दौरान रउड के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आतंकरोधी प्रयासों और रक्षा मंत्रालयों के बीच बढ़ते सहयोग जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।बैठक में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। उन्होंने बैठक से अलग चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमापार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिये वित्त पोषण किसी भी कीमत पर बंद होना चाहिए।उन्होंने आतंकवाद, कट्टरता और चरमपंथ के विरूद्ध एकीकृत वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया।इस बैठक में भारत के कुछ मुद्दों पर आम सहमति नहीं बन पाने के कारण साझा दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।अतः वहाँ सब पाकिस्तान के मित्र देश थे जिससे सहमति नहीँ बनी चीन भारत का दोस्त नहीं दुश्मन है क्योंकि वह ऑपरेशन सिंदूर मैं खुल कर पाकिस्तान को घातक हथियार दिए और उस वजह से भारत को नुकसान भी हुआ उन भारतीय सैनिक के दिल से पूछिए की पाकिस्तान अभी भी कश्मीर मैं आतंकवादी को भेज रहा है और इन आतंकवादी को चीन हीं हथियार भी दे रहा है इसलिए भारत को वहाँ जाना चाहिए जहाँ चीन और पाकिस्तान ना हो ये दोनों एक हीं सिक्के के दो पहलू हैं अब हस्ताक्षर ना करना भी इस बात को दशार्ता है कि आपकी नहीँ सुनी गई भारत एक लोकतान्त्रिक देश है और 140 करोड़ देशवासियों "देश है और भारत किसी का गुलाम ल्लँ है कि वो सिखायेगा कि भारत को क्या करना है भारत के सैनिको मैं जबरदस्त जोश है और किसी भी स्थिति से लड़ने को तैयार है और टेक्नोलॉजी में भी किसी देश से कम नहीं है ये ङ्क अमेरिका का बी -2 बमर है उसका डिजाइन भी भारतीय ने किया है ये अलग बात है टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया अमेरिका में जितने युद्ध के हथियार है अधिकतर को हमारे देश के वैज्ञानिक के द्वारा दि गई तकनीक है क्योंकि जो यहाँ टैलेंटेड होते हैं वो अमेरिका चले जाते हैं और भारत के लोग भी इसे बहुत अच्छा मामते है कि देखो वो अमेरिका में खुब पैसा कमा रहा है अब इस सोच से बाहर निकलना होगा क्योंकि अब जिस तरह युद्ध हो रहे हैं उसमें दूसरे देश कूद जाते हैं और अपनी दादागिरी दिखाते हैं ये बात अब इजराइल को भी समझ आ गई होगी और रूस यूक्रेन का युद्ध भी नाटो बनाम रूस हो गया और रूस का उन देशों के प्रति कहीं ना कहीं समर्थन है जिससे युद्ध जिस उद्देश्य के लिए हो रहा है वो समझ में ही नहीं आता आखिर जीता क्यों लेकिन 9/11 हमले में दो वर्ड ट्रेड सेंटर को अलकायदा ने निशाना बनाया तो अमेरिका ने उसपर एक तरह से कब्जा ही कर लिया था बाद में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन ने बापस बुलाया यही नहीं इराक उसका मजाक उड़ाया तो उसका क्या हाल हुआ वो सबको मालूम है अमेरिका ने ईरान ने इजराइल के कहने से ज्यादा वहाँ के अन्य मुस्लिम देशों ने अमेरिका को अच्छी खासी रकम दि है जिससे ट्रम्प ने बी -2 बमवर्षक विमान से ईरान के तीनो परमाणु ठीकानो को पूरी तरह बर्बाद कर दिया और अब ईरान का बम बनाने का सपना अधूरा रह गया खबर में कुछ भी बता देते हैं लेकिन उसमें हकीकत नहीं रहता अगर ईरान ने भारी मात्रा में यूरेनियम को वहाँ से हटा दिए है तो वो किस काम का है 60 प्रतिशत तक संवर्धित है और 90 परसेंट करने में कम से कम 5साल लगेंगे ये दूसरे बम जैसा नहीं है कि जब चाहे बना लिए उसमें रेडियो। परमाणु हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक संवर्धित करने की आवश्यकता है अतः ईरान का परमाणु कार्यक्रम अब अमेरिका डील कर रहा अब उसे इजराइल से कोई मतलब नहीं रहा यही बात अब दूसरे देश को भी सिखने की जरुरत है यदि आपके पास अपना सामर्थ है तो युद्ध करो बरना आपस में समझौता कर लो हकीकत ये है कि भारत द डेली टेलीग्राफ और अन्य स्त्रोतों के अनुसार, चीन ने मई और जून 2020 के बीच भारतीय गश्त वाले 60 वर्ग किलोमीटर (23 वर्ग मील) क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और पाक अधिकृत काश्मीर में अपना नेटवर्क बना रहा है और चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है।चीन ने केवल भारत को ही नहीं परेशान कर रहा है बल्कि तिब्बत को भी कब्जे में लिया और उनके धर्म गुरु दलाई लामा भारत में हैं और तिब्बत का यहाँ एक अस्थाई सरकार भी धर्मशाला में है जिसे तिब्बत का अस्थाई सरकार धर्मशाला में है और जिसे तिब्बत सेंट्रल एडमिन्सटर कहते हैं और ये सभी भगवान बुद्ध को मानने वाले शांति प्रिय लोग है यहाँ उनके सारे मंत्रालय भी हैं जिसमें रक्षा नहीं है क्योंकि ये भारत के हिस्से में है ये 1956 से भारत में पंडित नेहरू के कहने पर बड़ी संख्या में अपने धर्म गुरू दलाई लामा के साथ भारत आए थे जब तिब्बत ने 16 बिंदु के करार को न मान कर तिब्बत को अपने कब्जे में ले लिया जो चीन की बाहबाही करते है जरा सा अपने वीर योद्धा पर भी ध्यान दें सियाचिन का गलेशियर जो भारत को पाकिस्तान और चीन द्वारा की जाने वाली घुसपैठ को रोकने में मदद करता है।वहाँ का तापमान -30 डिग्री में अपने जवान किस तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं और जिंदगी में क्या पाया भारत माता के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया चीन ने कश्मीर के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा किया है। इस हिस्से को अक्साई चिन के नाम से जाना जाता है। चीन और भारत के बीच जब 1962 में युद्ध हुआ तो उसने भारत के इस पूरे हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया था। ये जम्मू-कश्मीर का उत्तर पूर्वी हिस्सा है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से भारत और चीन के बीच तनाव है। इसलिए जहाँ देखें चीन की धरती है वहाँ कदम भी रखना देश के लिए ठीक नहीं है क्योंकि वहाँ वो आखिर आपकी क्या सुनेगा और खून का घुट पी कर आना पड़ेगा भारत स्वतंत्र देश है हम क्या ले क्या पहने ये मेरा अधिकार है चीन से तो बना हुआ कोई समान मैं तो नहीं लेता हूँ यहाँ तक की चाइनीज फूड भी क्योंकि देश सर्वोपरि है हमारी टेक्नोलॉजी उससे बेहतर है तभी तो केरल में जासूसी करने आए एक ब्रिटिश विमान को लॉक ही कर दिया चीन से सामान ही ना लो महात्मा गाँधी इसलिए विदेशी चीजों का वहिष्कार करते थे लेकिन आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य ही कहे हमने उस पर अमल नहीं किया और आजादी के 77 साल बाद भी चीन की चाल को समझ नहीं रहे हैं ये बाद में अत्यंत हानिकारक होगा।इसलिए चीन के समान जब भारत में देखता हूँ तो कुछ समय के लिए सोचता हूँ सस्ता तो है लेकिन ये खरीदने से चीन की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और इसी पैसे से फिर आतंकवादी को भारत के खिलाफ हथियार देगा छोड़ो इसे नहीं चाहिए देश सर्वोपरि है।

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडु बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्वेश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात्बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे- अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेजाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

एक जुलाई से बढ़ेगा रेल किराया, सभी वर्गों में लागू होंगे नए रेट

नई दिल्ली

यात्रियों को अब ट्रेन से सफर करना थोड़ा महंगा पड़ेगा। केंद्र सरकार ने एक जुलाई से रेल किराये में बढ़ोतरी की घोषणा की है। रेलवे मंत्रालय ने सोमवार को यह फैसला लिया कि सभी पैसेंजर ट्रेन सेवाओं में किराये को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधित किराया लागू किया जाएगा। यह बदलाव इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस एसोसिएशन (आईआरसीए) द्वारा प्रकाशित नई यात्री किराया तालिका के अनुसार होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया कि उपनगरीय ट्रेनों के एकल यात्रा टिकट और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, अन्य श्रेणियों में मामूली वृद्धि की गई है। गैर-एसी श्रेणियों जैसे सैकेंड क्लास, स्लीपर और फर्स्ट क्लास में आधे पैसे से लेकर एक पैसे प्रति किलोमीटर तक किराया बढ़ाया गया है। वहीं मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की गैर-एसी श्रेणियों में भी एक पैसा प्रति किलोमीटर का इजाफा किया गया है।

एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, टू-टियर, एसी फर्स्ट क्लास और एग्जीक्यूटिव क्लास में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। यह नई दरें 01 जुलाई से लागू होंगी। इससे तेजस, राजधानी, वंदे भारत, शताब्दी, दुरंतो, हमसफर, अमृत भारत, महाना, गतीमान, गरीब रथ, जनशताब्दी, युवा एक्सप्रेस, अनुभूती और एसी विस्टाडोम कोच जैसी विशेष ट्रेनों में भी यात्रा महंगी हो जाएगी। हालांकि रिजर्वेशन फीस, सुपरफास्ट चार्ज और जीएसटी जैसे अन्य शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले से बुक किए गए टिकटों पर नया किराया लागू नहीं होगा और उनके यात्रियों से कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली जाएगी, लेकिन 01 जुलाई से जो भी टिकट बुक किए जाएंगे, उन पर नया किराया लागू होगा। टीटीई द्वारा ट्रेन में या स्टेशन पर टिकट बनाने पर भी नए किराये के अनुसार ही शुल्क वसूला जाएगा।

रेलवे बोर्ड ने सभी ज़ोनल रेलवे को निर्देश दिया है कि नई किराया तालिका को संबंधित कर्मचारियों को समय पर उपलब्ध कराया जाए और स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची को भी संशोधित किया जाए। इसके अलावा यात्रियों को इस बदलाव की जानकारी देने के लिए मीडिया, प्रेस और स्टेशन घोषणाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड के निदेशक (यात्री विपणन समन्वय) प्रवीण कुमार के अनुसार, सभी ज़ोनल रेलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह नई व्यवस्था सही तरीके से लागू हो और सभी कर्मचारी इसे भलीभांति समझें व पालन करें।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन के स्लॉ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की धूम

लंदन। ब्रिटेन के स्लॉ हिन्दू मंदिर से निकाली गई भगवान जगन्नाथ रथयात्रा में 1,000 से अधिक भक्त शामिल हुए। इसमें भारतीय उच्चायोग लंदन के उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने पवित्र छेरा पहारना अनुष्ठान किया। भारतीय उच्चायोग लंदन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की सचित्र संक्षिप्त सूचना साझा की है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके के तत्वावधान में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साह और आस्था के साथ हिस्सा लिया। सभी ने पवित्र रथ को खींचा। स्लॉ हिन्दू मंदिर में भगवान जगन्नाथ के जयकारे गूंजे। पवित्र छेरा पहारना रथयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान होता है। इस अनुष्ठान में देवताओं के सामने रथ को साफ किया जाता है। यह भगवान के सम्मुख विनम्रता और समानता का प्रतीक है। श्री जगन्नाथ सोसाइटी यूके अनुसार, इस दौरान भारत के पुरी के मां गुंडिया मंदिर का दृश्य जीवंत हो उठा।

मणिपुर के चुराचांदपुर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

चुराचांदपुर। मणिपुर में अज्ञात हमलावरों ने चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। सोमवार दोपहर जिले के मोंगजांग गांव के पास अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा की गई गोलीबारी में 60 वर्षीय महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। चुराचांदपुर पुलिस के अनुसार हमलावरों ने दोपहर करीब 2 बजे जब हमला किया, तब पीड़ित एक कार में यात्रा कर रहे थे। घटनास्थल मोंगजांग, चुराचांदपुर के जिला मुख्यालय से लगभग सात किमी दूर है। पुलिस की शुरुआती जांच से यह भी पता चलता है कि हमलावरों ने पीड़ितों को बहुत नजदीक से गोली मारी। घटनास्थल से एक दर्जन से अधिक खाली कारतूस बरामद किए गए, जिससे स्वचालित हथियारों के इस्तेमाल का संकेत मिलता है। मृतकों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है।

नेपाल में 321 अरब के टेलीकॉम घोटाले में जेल में बंद पूर्व मंत्री मोहन बस्नेत 25 लाख की जमानत पर रिहा

काठमांडू। नेपाल की विशेष अदालत ने 321 अरब रुपये से अधिक के हाई प्रोफाइल टेलीकॉम भ्रष्टाचार मामले में नेपाली कांग्रेस के सांसद और पूर्व सूचना तथा संचारमंत्री मोहन बस्नेत को 25 लाख रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एंटी करप्शन ब्यूरो ने 15 मई को नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) के इस घोटाले का मामला अदालत में दायर कराया था। इसमें बस्नेत और 15 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष अदालत के न्यायमूर्ति तेज नारायण सिंह राई, न्यायमूर्ति राम बहादुर थापा और न्यायमूर्ति बिदुर कोइराला की पीठ ने पहले बस्नेत का बयान दर्ज किया। इसके बाद उनकी रिहाई का आदेश जारी किया। एंटी करप्शन ब्यूरो का आरोप है कि नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के लिए टेरामॉक्स प्रणाली की खरीद के दौरान बड़े पैमाने पर गबन किया गया है। अन्य आरोपितों में एनटीए के पूर्व अध्यक्ष दिगंबर झा, धनराज झवाली, टिका प्रसाद उप्रेती, सुरेंद्र लाल हाडा, दीपेश आचार्य, संदीप अधिकारी अधिकारी, अच्युतानंद मिश्रा, विजय कुमार राया, पुरुषोत्तम प्रसाद खनाल, रेवती राम पंथ, सुरेश बस्नेत, हिरण्य प्रसाद बस्ताकोटी, तेज प्रसाद खरेल, दिलीप कुमार गुरुंग और दो निजी कंपनियां शामिल हैं।

मंत्री नेताम ने बलरामपुर शहर में 10 किलोमीटर फोरलेन बायपास बनाने दिया प्रस्ताव

अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा एनएच343 कॉरीडोर का निर्माण प्रगति पर : नेताम

बलरामपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने आज सोमवार को नागपुर, महाराष्ट्र में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य मुलाकात की। मंत्री नेताम ने इस दौरान बताया कि निर्माणाधीन अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा राष्ट्रीय राजमार्ग 343 में कॉरीडोर योजना के लिए 397.44 करोड़ रुपये एवं 199.05 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्री नेताम ने केंद्रीय मंत्री गड़करी से आग्रह करते हुए कहा कि यह मार्ग अम्बिकापुर से रामानुजगंज होते हुए झारखंड को जोड़ने वाला अंतर्राज्यीय मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से यात्री बसें, व्यावसायिक वाहन एवं आमजनों के आवागमन अधिक होने के साथ-साथ अति विशिष्टजनों का आवागमन भी होता है।

आगे उन्होंने कहा, इसी मार्ग पर बलरामपुर शहरी भाग स्थित है, जो कि जिला मुख्यालय है, जिसके दोनों ओर व्यवसायिक एवं आवासीय बसाहट है। सभी छोटे अथवा भारी वाहनों का आवागमन वर्तमान में शहरी क्षेत्र से होने के कारण आये दिन माल वाहकों से जाम की स्थिति एवं दुर्घटनाएं होती रहती है।

मंत्री नेताम ने बताया कि बलरामपुर शहरी क्षेत्र में आवागमन में होने वाली असुविधा को देखते हुए फोरलेन बायपास मार्ग अनुमानित लम्बाई 10 किलोमीटर की अत्यधिक आवश्यकता है। इसके निर्माण से आम नागरिकों के सुचारू आवागमन के साथ-साथ अन्तर्राज्यीय व्यवसाय एवं राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी। मंत्री नेताम ने केन्द्रीय मंत्री से बलरामपुर बायपास की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया।

उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि भारत सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग भारत माला परियोजना के तहत दक्षिण छत्तीसगढ़ रायपुर से विशाखापट्टनम मार्ग का कार्य पूर्णता पर है। इससे प्रदेश के नागरिकों को सीधे दक्षिण भारत एवं महाराष्ट्र मुंबई की बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तर्ज पर भारत माला परियोजना के तहत उत्तर छत्तीसगढ़ को जोड़ते हुए रायपुर-बिलासपुर-अम्बिकापुर से वाड्रफनगर होते हुए बनारस (वाराणसी) तक रोड के बन जाने से सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के नागरिकों को उत्तर दक्षिण एवं पूर्व पश्चिम के सभी महानगरों से बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त हो जाएगी। मंत्री नेताम ने केन्द्रीय मंत्री गडकारी से रायपुर-बनारस (वाराणसी) मार्ग को भारत माला परियोजना के तहत शामिल कर स्वीकृति प्रदान करने का अग्राह किया है।

चीन को दो बार झटका देने वाले दलाई लामा जल्द करेंगे उत्तराधिकारी का ऐलान!

ल्हासा

6 जुलाई को दलाई लामा 90 साल के हो जाएंगे। इस दौरान धर्मशाला के मैक्लॉडगंज में आयोजन शुरू हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, सीटीए यानी केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के कई मंत्रियों ने कहा है कि 90वां जन्मदिन मनाने के दौरान दलाई लामा उत्तराधिकारी की घोषणा कर सकते हैं। इन मंत्रियों में पेन्पा सेरिंग, सिक्योंन्गा, डिप्टी स्पीकर डोलमा सेरिंग का नाम शामिल है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन जानकार संभावनाएं जता रहे हैं। खास बात है कि दलाई लामा पहले ही इस रेस में किसी भी चीनी नागरिक का पत्ता काट चुके हैं। फिलहाल, चीन इस आयोजन पर लगातार नजर बनाए हुए है। ऐसा माना जा रहा है कि चीन इस बात पर जोर देता है कि वह दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चुनाव करेगा, ताकि तिब्बत पर धार्मिक नियंत्रण हासिल किया जा सके। जबकि, तिब्बत में ऐसे शख्स को स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिसे चीन चुनेगा।मीडिया से बातचीत में निर्वासित तिब्बती सरकार के स्पीकर खेन्पो सोनम तेन्फेल ने कहा कि 2 जुलाई से धार्मिक आयोजन शुरू हो जाएंगे। उस दौरान दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, कॉन्फ्रेंस के एजेंडा में यह शामिल नहीं है, लेकिन इस बात की काफी संभावनाएं हैं कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी के प्रश्न पर चर्चा हो सकती है और हमें जवाब मिल सकता है।

उन्होंने कहा, दलाई लामा का उत्तराधिकारी चीन के बाहर आजाद दुनिया का होना चाहिए। जैसा वह चाहते हैं।किसी भी हाल में तिब्बती सिर्फ उसी नाम को स्वीकार करेंगे, जो दलाई लामा खुद बताएंगे। नाम की किताब में दलाई लामा पहले ही बता चुके हैं कि उनका उत्तराधिकारी आजाद दुनिया में पैदा हुआ होना चाहिए और चीन से बाहर का होना चाहिए।

ईरान के शिया धर्मगुरु ने ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया फतवा

ईरान-इजरायल की जंग के बाद ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने दुनिया के सभी मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। इसके साथ उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी किया है। बता दें 12 दिनों तक चलते ईरान और इजरायल के बीच जंग के बाद ट्रंप ने 24 जून को संघर्ष विराम का ऐलान किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, अयातुल्लाह नसीर मकरम शिराजी ने फतवा जारी किया है, जिसमें ट्रंप और नेतन्याहू को दुश्मन बताया है। उन्होंने लिखा, यह साफ है कि इस्लामिक व्यवस्था के किसी व्यक्ति और खासतौर से सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी देना मना है ।

तेलंगाना में भाजपा को बड़ा झटका विधायक टी. राजा सिंह ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र देने का कारण पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने की अनुमति न दिए जाने को बताया है।

मीडिया से बातचीत में राजा सिंह ने कहा कि मैं नामांकन दाखिल करने गया था। मैंने आवेदन पत्र भी ले लिया था। मेरे आवेदन पर तीन सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। सात और सदस्यों के हस्ताक्षर होने थे। इस वजह से मैं नामांकन दाखिल नहीं कर सका। इसके बाद मैंने तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी. किशन रेड्डी को त्यागपत्र दे दिया और कहा कि वे इसे स्वीकार कर लें।

विधायक ने दो पन्नों के त्यागपत्र में केंद्रीय नेतृत्व के फैसले को सदमा और निराशा करार देते

हुए कहा कि इससे राज्य भर में लाखों वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंची है। राजा सिंह ने लिखा कि यह पत्र लाखों वफादार भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के दर्द और हताशा को दर्शाता है, जो खुद को दरकिनार और अनसुना महसूस करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ चुनिंदा लोग %पर्दे के पीछे से शो चला रहे हैं% और फैसले ले रहे हैं, जिससे आंतरिक असंतोष और जमीनी स्तर पर जुड़ाव खत्म हो रहा है।

गोशामहल से तीन बार निर्वाचित विधायक ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, वरिष्ठ नेता अमित शाह और बीएल संतोष से निर्णय पर पुनर्विचार करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि तेलंगाना में सही नेतृत्व स्थापित हो। पार्टी से औपचारिक संबंध तोड़ते हुए राजा सिंह ने हिंदुत्व की विचारधारा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और गोशामहल के लोगों और व्यापक हिंदू समुदाय की सेवा जारी रखने का संकल्प लिया।

उन्होंने लिखा, मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं, जो आस्था के साथ हमारे साथ खड़े थे और जो आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

ट्रंप की धमकी काम आई, कनाडा ने डिजिटल सेवा कर रद्द

ओटोवा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को दी गई धमकी आखिरकार काम आ गई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार रात डिजिटल सेवा कर को रद्द कर दिया। डिजिटल सेवा कर की वजह से अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों पर कनाडाई उपयोगकर्ताओं से होने वाले राजस्व पर तीन फीसदी का कर लगना था।

इससे अमेरिकी कंपनियों को महीने के आखिर में दो बिलियन अमरीकी डॉलर का भुगतान करना पड़ता।

खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि यह ट्रंप के अमेरिकी व्यापार वार्ता को रद्द करने की घोषणा का असर है।

कार्नी ने डिजिटल सेवा कर को भुगतान से एक दिन पहले रद्द किया है। उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ अमेरिकी व्यापार वार्ता (पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक व्यापार व्यवस्था) शुरू होगी।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बयान में कहा, घोषणा इस महीने के कनानास्किस में जी-7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में निर्धारित 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने का समर्थन करेगी।

कनाडा के वित्तमंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने बयान में कहा, डिजिटल सेवा कर को समाप्त करने से अमेरिका के साथ एक नए आर्थिक और सुरक्षा संबंधों की बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

ओटावा का यह निर्णय इस महीने की शुरुआत में कनाडाई अधिकारियों के लिए गए निर्णय से उलट है। उन्होंने कहा था कि वे अमेरिका के कड़े विरोध के बावजूद डिजिटल सेवा कर को रोकेंगे नहीं। डिजिटल सेवा कर को पहली बार 2020 में कराधान अंतर को दूर करने के लिए पेश किया गया था। महत्वपूर्ण यह है कि कनाडा और अमेरिका के रिश्ते ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही अच्छे नहीं रहे। ट्रंप ने देश के कनाडा पर अनेक बार कटाक्ष किया। यह तक कहा कि कनाडा को अमेरिकी राज्य के रूप में शामिल किया जाए। इसके बाद कनाडा को भारी अमेरिकी टैरिफ की मार झेलनी पड़ी। ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और ऑटो पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया। हालांकि, इस टैरिफ पर नौ जुलाई तक रोक है। फिर भी कनाडा और मैक्सिको को 25 प्रतिशत तक के अलग-अलग टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रीफ न्यूज़

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रदेश स्तरीय समापन कार्यक्रम एवं वॉटरशेड सम्मेलन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में खण्डवा जिले में सम्पन्न हुआ। रायसेन में कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, श्री राकेश शर्मा द्वारा प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा व सुना गया। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में नवीन जल स्त्रोतों के निर्माण तथा पहले से स्थित जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार सहित जल संरक्षण हेतु किए गए जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए कार्यो की सराहना की गई।

श्रावण सोमवार को बाबा महाकाल शाही ठाट बाट से निकलेंगें नगर भ्रमण को महादेव मित्र मंडल ने सवारी भव्य रूप से निकालने का लिया निर्णय

सारंगपुर। महादेव मित्र मंडल के तत्वाधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावण मास के चौथे सोमवार 4 अगस्त को बाबा महाकाल की सावन सवारी निकाली जाएगी। जिसकी तैयारी को लेकर रविवार रात्रि को वोट केश्वर महादेव मंदिर परिसर में महादेव मित्र मंडल की बैठक आयोजित की गई महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष ओम पुष्पद ने बाबा महाकाल की सवारी की रूपरेखा से सभी को अवगत कराते हुए सर्वसम्मति से 4 अगस्त श्रवण के चौथे सोमवार को बाबा महाकाल की शाही सवारी ठाट बाट से निकलने का निर्णय लिया गया साथ ही सावन सवारी को भव्य रूप कैसे दिया जाए इस पर सदस्यों की राय ली गई तथा सवारी के पूर्व प्रचार प्रसार धन संग्रह सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का संचालन मंडल महासचिव बृज किशोर चौहान ने किया तथा मंडल उपाध्यक्ष जितेंद्र सोलंकी ने ओम मंत्र का शांति पाठ कराते हुए बैठक का समापन किया इस दौरान वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मी नारायण त्रिकार मंडल कोषाध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार पूर्व अध्यक्ष विजय सोनी महेश पाटीदार रामेश्वर पुष्पद भूपेंद्र जोशी गोपाल वेद कमल पुष्पद मनोहर सोनी कमल राठौर सुमित सोनी दीपक नामदेव प्रकाश पुरी सतीश गिरजे कन्हैया लाल मेवाड़ा पीयूष शर्मा सहयोग शर्मा किरीट सोनी सतीश पुष्पद विनोद राठौर शैलेंद्र सिंह सोलंकी गोपाल प्रजापति हिमांशु सोलंकी संजय शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भगवानपुपरा में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

खरगोन। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड भगवानपुरा के गांवों में जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत जल बचाव, पर शपथ का आयोजन किया गया। विकासखंड समन्वयक महेश खराड़े ने बताया कि 30 मार्च सें 30 जून तक चलने वाले अभियान का 30 जून को समापन किया गया। जिसमें जल को सहेजने की शपथ दिलाई गईं और 11 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही साफ-स्वच्छ निर्मल जल बहे इस दिशा में ग्रामीणों को सन्देश देकर शपथ दिलाई गई। साथ ही नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ- साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई कार्य किये गए। वहीं जल स्त्रोतों के आस पास हेडपम्प पर पानी के सॉफ्ट गड्डे भीं बनाए। ग्राम स्तर पर समाज की सहभागिता से जल संरक्षण व जागरूता के कार्यक्रम आयोजित किये।

कलेक्टर द्वारा टीएल बैठक में लगातार समीक्षा के परिणाम स्वरूप 41 सेवानिवृत्त सेवकों को सेवा निवृत्ति के साथ ही मिले पीपीओ और पेंशन स्वीकृति आदेश

कलेक्टर के प्रयासों की सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने की सराहना

दीनबन्धु, आष्टा (सीहोर)
dinbandhunews.com

जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में अनेक विभागों के 41 सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को कलेक्टर श्री बालागुरु के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने फूलमाला पहनाकर, शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा पीपीओ और पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किए। विदाई समारोह में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना करते हुए कहा कि आप सभी ने अपने सेवा काल में उत्कृष्ट कार्य किया है, जो आपकी कार्यकुशलता को दशार्ता है। सभी सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और सबसे ज्यादा समय कार्यालय या शासकीय कार्यों में बिताते हैं शासकीय सेवा में आने के बाद सेवानिवृत्ति तक पूरी निष्ठा और लगन से आपने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवक अनुभवों का खजाना

है। सेवानिवृत्ति के बाद आपके अनुभवों का समाज को लाभ मिलेगा। कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा सेवानिवृत्ति के उपरान्त तुरन्त पेंशन मिल सके इसके लिए टीएल बैठक में लगातार पेंशन प्रकरणों की नियमित विभागवार विस्तार से समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर श्री बालागुरु के द्वारा की जा रही इस समीक्षा का नतीजा यह हुआ कि सेवानिवृत्ति के दिन ही अधिकारी-कर्मचारियों को अपने स्वत्वों के भुगतान तथा पेंशन स्वीकृति के आदेश मिले हैं। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देश पर पिछले कई महीनों से हर एक विभाग के एक-एक पेंशन प्रकरण की विस्तार से समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर श्री बालागुरू के हर टीएल मीटिंग में स्वयं गहन समीक्षा कर रहे है। कई ऐसे अधिकारी कर्मचारी हैं जिन्हें छोटी-छोटी आपत्तियों के चलते पेंशन स्वीकृति में विलंब हो रहा था उनकी नियमित समीक्षा के दौरान इन आपत्तियों का शीघ्र निराकरण किया गया और जिन प्रकरणों में कमियॉ थी उनकी पूर्ति कराई गई। पेंशन प्रकरणों की समीक्षा का परिणाम यह हुआ कि सेवानिवृत्ति के साथ ही 41 शासकीय सेवकों को पेंशन और स्वत्वों का भुगतान प्राप्त हो गया है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री आनंद सिंह राजावत, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती स्वाति मिश्रा, श्री सुधीर कुशवाह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

इन्हें मिले पीपीओ और पेंशन स्वीकृति आदेशः टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरु के ने विभिन्न विभागों के 41 अधिकारियों-कर्मचारियों को पीपीओ एवं पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किए हैं। इन सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों में श्री कैलाश चंद्र बैरागी, मोतीलाल यादव, कंछेदी लाल यादव, महेश कुमार साहू, देवबगस बडोदिया, राजमल मीणा, सीताराम करमोदिया, कौमा गौर, दिलीप सिंह मेवाडा, गंगाराम ठाकुर, किरण माथुर, रमेश चन्द्र मेहता, रमेश चंद सोलंकी, सलीम जावेद कुरैशी, संतोष कुमार सिंगारिया, वीरेंद्र कुमार जैन, गुलाब सिंह जावरिया, मोहम्मद इकबाल कुरैशी, राजपाल सिंह नाहर, रामगोपाल गौर, रामकिशोर तेलकार, संध्या कसोटिया, मंजूलता कुशवाहा, सुधा वर्मा, बाबूलाल परमार, कमल किशोर पारिक, अखिल खरे, अनिल कुमार बादल, बारेलाल यादव, प्रेमदास बैरागी, सोहनलाल मेहरा, नरेंद्र कुमार जाटव, सूरज तलरेजा, विजय कुमार सक्सेना, विवेक मोधे, जय भान सिंह रघुवंशी, शंभू सिंह राजपूत, वीरेंद्र सिंह यादव, हरप्रसाद राठौर, मलूकचन्द्र दायमा शामिल है।

शासकीय सेवकों ने दिया धन्यवादः सेवानिवृत्त एवं पीपीओ और पेंशन स्वीकृति के आदेश मिलने पर सेवानिवृत्त हुए श्री रामकिशोर, श्री बाबूलाल, श्री कमल किशोर, श्री बीरेन्द्र कुमार सहित अनेक शासकीय सेवकों ने कलेक्टर श्री बालागुरू के. को धन्यवाद दिया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण है कि पीपीओ और पेंशन स्वीकृति आदेश सेवानिवृत्ति के साथ ही मिले हैं।

कुंवर सुरेंद्र सिंह पंवार करणी सेना शहर अध्यक्ष नियुक्त

खंडवा। करणी सेना परिवार खंडवा द्वारा रविवार को महादेवी नगर स्थित डिजायर एकेडमी में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन एवं सामाजिक विषय पर चर्चा की गई। आगामी 5 जुलाई को मंदसौर में आयोजित धरना प्रदर्शन की ? रूपरेखा भी तय की गई। इसके साथ ही संगठन के दो प्रमुख पदाधिकारियों की नियुक्तियां भी की गई। जिनमें कुंवर सुरेंद्र सिंह पंवार को खंडवा शहर अध्यक्ष एवं अर्जुन सिंह सोलंकी को सिंगोट तहसील अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। संगठन में सक्रिय भूमिका एवं योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर की सहमति एवं जिलाध्यक्ष कुंवर पंकजराज सिंह पुरनी की अनुशंसा पर सौंपी गई। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष शिवा पवार एवं समस्त तहसीलों के अध्यक्ष एवं राजवीर सिंह ललवाड़ा, मोहन सिंह सावनेर, नीति राज सिंह गौड, मोहन सिंह पलानी, जयपाल सिंह राजपुरा, सत्येंद्र सिंह दिवाल, जयदीप सिंह पंवार, चंद्रपाल सिंह घाटा खेड़ी, दिग्विजय सिंह मौजूद थे। सभी ने नवीन अध्यक्षों को बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर पलटी तेज रफ्तार बस, दर्जन भर यात्री घायल

दीनबन्धु, सतना।
dinbandhunews.com

सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दर्जनभर यात्री घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सोमवार को सतना-चित्रकूट स्टेट हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। पोड़ी गांव के पास विजय ट्रेवल्स की एक तेज रफ्तार यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस बिरसिंहपुर से सतना की ओर जा रही थी और उसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही कोठी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को खिड़कियों और आपात निकास मार्गों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, हालांकि दर्जनभर यात्रियों को हल्की चोटें आईं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सामने से एक चार पहिया वाहन आ रहा था, जिसे बचाने के प्रयास में बस चालक ने अचानक मोड़ लिया, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हादसे के वक्त बस की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। बस चालक से भी पूछताछ की जा रही है। हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग बारिश में खराब हुई सड़कों की मरम्मत करें: कमिश्नर

राष्ट्रीय परिवार सहायता एवं अनुग्रह सहायता राशि के प्रकरण लंबित न रहे

दीनबन्धु, नर्मदापुरम
dinbandhunews.com

बारिश में जो सड़के खराब हुई है उनकी मरम्मत का कार्य लोक निर्माण विभाग प्राथमिकता से करें। खराब सड़कों की मरम्मत कर उसे चलने योग्य बनाएं। नगरीय निकाय भी विभिन्न वॉर्डों में बारिश से खराब हुई सड़कों की मरम्मत का कार्य करें। नगरीय निकाय बारिश के दौरान पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप से करें। साथ ही घरों के कचरे के निष्पादन के लिए नियमित रूप से कचरा वाहन विभिन्न वार्डों में पहुंचाएं। बारिश के दौरान स्ट्रीट लाइट भी निर्बाध रूप से चालू रहे। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री

कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को संभागीय समय सीमा की बैठक में दिए। कमिश्नर ने कमांडेंट होमगार्ड को निर्देश दिए कि वह बारिश के दौरान नदी के घाटों पर किसी भी आकस्मिक दुर्घटना को रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में होमगार्ड बल की तैनाती करें और बचाव के सभी उपकरण तैयार रखें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने कार्यालय के भवनों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें और यह सुनिश्चित करें कि यदि भवन जर्जर है तो उसे डिस्मेंटल कराए। यदि भवन डिस्मेंटल नहीं हो पा रहा है तो उस जर्जर भवन से कर्मचारियों को हटा कर अन्यत्र शिफ्ट करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि किसी भी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना होने पर संबंधित अधिकारी पर जवाबदेही तय की जाएगी। कमिश्नर श्री तिवारी ने लोक निर्माण विभाग एवं ब्रिज कारपोरेशन के अधिकारियों को निर्देश दिए की वह ऐसी सड़कों को चिन्हित कर लें जहां बारिश में दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। ऐसी सड़कों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय अनिवार्य रूप से किए जाएं।

इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओ ने प्रस्तुत किये मॉडल

विधायक पाटीदार व कलेक्टर सुश्री मित्तल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

आजादी के समय सुई भी इंग्लैंड से आती थी, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हवाई जहाज बन रहे हैं यह बात 30 जून को जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार ने उपस्थित जनों एवं बाल वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहीं। विधायक श्री पाटीदार ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया था जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जय विज्ञान जोड़ा और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय अनुसंधान जोड़कर इस नारे को पूर्णता प्रदान की है। आज हमारे देश के वैज्ञानिक अंतरिक्ष में जाकर नित नई खोज कर रहे हैं, आज आपका मॉडल लेकर यहां उपस्थित होना उच्च तकनीकी और विज्ञान आपको महान वैज्ञानिक बन सकता है। आप सभी सतत

प्रयास करें और अपने विचारों को मूर्त रूप प्रदान करने का प्रयास करते रहे। प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आप सभी बाल वैज्ञानिकों को अवसर प्रदान करती रहेगी इस अवसर पर कलेक्टर भव्या मित्तल ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण बचपन से ही उत्पन्न होता है। हमें अपने आसपास के परिवेश को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए, आपका वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामान्य बच्चों से आपको अलग पहचान दिलाता है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार कानूडे ने बताया कि जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का दो दिन से आयोजन 30 जून एवं 1 जुलाई 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर के हॉल में किया जा रहा है। इस जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में खरगोन, बड़वानी और बुरहानपुर जिले के बाल वैज्ञानिक सहभागिता कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों ने अपने-अपने विज्ञान पर आधारित विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए हैं, जिनका चयन किया जाकर चयनित मॉडलों को आगामी प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार कानूडे ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं दो दिवसीय विज्ञान प्रति प्रदर्शनी का प्रतिवेदन प्राचार्य श्री दीपक कानूनगो ने प्रस्तुत किया तथा आभार विज्ञान प्रदर्शनी के नोडल अधिकारी अल्केश राठौर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अमित शर्मा एवं हबीब बैग मिर्जा ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका से उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, लोक निर्माण समिति के सभापति एडवोकेट दिनेश पाटीदार, जयेश नगर आदि उपस्थित थे।

उज्जैन में रविवार को खुलेंगे स्कूल, सोमवार को रहेगी छुट्टी

सावन में महाकाल की सवारी के चलते फैसला; प्रायवेट-सरकारी स्कूलों पर लागू रहेगा

दीनबन्धु, उज्जैन।
dinbandhunews.com

उज्जैन में 14 जुलाई से 11 अगस्त तक पहली से 12वीं तक के स्कूल रविवार को भी लगेंगे, जबकि सोमवार को अवकाश रहेगा। श्रावण महीने में भगवान महाकाल की निकलने वाली सवारी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दरअसल, सवारी में भीड़ को देखते हुए कई रास्ते बंद कर दिए जाते हैं। 11 जुलाई से श्रावण का महीना शुरू हो रहा है। इस बार कुल छह सवारियां महाकाल मंदिर से निकलेंगी। पहली सवारी 14 जुलाई को रहेगी। सवारी वाले दिन सभी निजी और शासकीय स्कूलों की छुट्टी रहेगी। जबकि रविवार को स्कूल लगेंगे। हर साल बाबा महाकाल की सवारी वाले दिन बड़ी संख्या में भक्त उज्जैन पहुंचते है। ऐसे में स्कूलों की बस भीड़ में फंस जाती है और

बच्चे और श्रद्धालु परेशान होते है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने फैसला किया है कि मंदिर से निकलने वाली 5 सवारी के दिन स्कूलों का अवकाश रहेगा। इसकी जगह एक दिन पहले रविवार को स्कूल लगेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग जारी करेगा आदेशः उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह हम व्यवस्था करेंगे। इसमें भक्तों और स्कूल के बच्चों को कोई परेशानी नहीं होगी। इसको लेकर जल्द ही शिक्षा विभाग अलग से ऑर्डर जारी करेगा। जिसमें उज्जैन नगर निगम क्षेत्र के सभी निजी और सरकारी स्कूलों पर निर्णय लागू होगा।

5 सवारी के लिए रविवार को लगेंगे स्कूलः महाकाल की पहली सवारी 14 जुलाई, द्वितीय सवारी 21 जुलाई, तृतीय सवारी 28 जुलाई, चतुर्थ सवारी 4 अगस्त को श्रावण मास में निकाली जाएगी। इसी तरह भादौ मास में पंचम सवारी 11 अगस्त को रहेगी। इन 5 सोमवार को स्कूलों की छुट्टी रहेगी। इससे एक दीन पहले रविवार को स्कूल खुलेंगे। हालांकि राजसी सवारी सोमवार 18 अगस्त को निकलेगी इस दिन स्थानीय अवकाश रहेगा। इसलिए रविवार को स्कूल नहीं लगाने पड़ेंगे।

इन मार्गो से निकलेगी सवारीः भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी श्री महाकालेश्वर मन्दिर के सभा मण्डप में शाम 4 बजे पूजन-अर्चन के बाद गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी से होते हुए रामघाट शिप्रा तट पहुंचेगी। यहां सवारी का पूजन-अर्चन होने के बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती समाज मन्दिर, सत्यनारायण मन्दिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार, गुदरी बाजार होती हुई श्री महाकालेश्वर मन्दिर में वापस आएगी।

डॉ.आर.सी. जैन को कृषि अनुसंधान के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया सम्मानित

सीहोर। जिलाधीश कार्यालय जिला पंचायत केंद्रीय हॉल सीहोर में जिला विकास समन्वय समिति बैठक (दिशा) आयोजित हुई। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय पूर्व लोकप्रिय मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भारत सरकार सहित केंद्रीय प्रतिनिधि , सांसद आलोक शर्मा भोपाल संसदीय क्षेत्र , कैबिनेट मंत्री एवं विधायक इछावर करण सिंह वर्मा मध्य प्रदेश शासन, विधायक सुदेश राय, गोपाल इंजीनियर विधायक अष्टा, बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव , नगरपालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर, जिलाधीश के.बालागुरु, पुलिस अधीक्षक जिला सीहोर दीपक शुक्ला सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी, प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ.आर.सी. जैन, केंद्रीय अधिकारी सहित सभी पंचायतों के जिला एवं ब्लॉक जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे । लगातार 7 घंटे चली मैराथन बैठक में माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री महोदय ने भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के अंतर्गत विस्तृत विकसित भारत और जिले के विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सभी विभागों के अंतर्गत चल रही शहरी और ग्रामीण विकास योजनाओं का प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से मूल्यांकन किया और कई विकास से संबंधित प्रस्ताव पारित किए ,तत्पश्चात माननीय सासंद महोदय , माननीय कैबिनेट मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सहित माननीय विधायकगणों ने सर्वांगीण विकास के लिए सुझाव दिए ,उन्होंने भारत विकसित कृषि संकल्प अभियान की सराहना करते लाइफ टाइम योगदान की सराहना करते हुए।

सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले 3 अतिथि विद्वानों का आमंत्रण निरस्त

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने रीवा जिले के हनुमना स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान श्री जानकी शरण शुक्ला एवं डॉ. गीता पटेल के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के सम्बंध में निर्देश जारी किए हैं। साथ ही सीधी जिले के खड्डी स्थित शासकीय महाविद्यालय में आमंत्रित अतिथि विद्वान श्री अभिनंदन पांडे के आमंत्रण को तत्काल निरस्त करने के संबंध में भी निर्देश जारी किए हैं। उक्त तीनों अतिथि विद्वान संस्थान में न होकर अन्यत्र स्थान से अमर्यादित एवं अनुचित रूप से सार्थक ऐप पर फर्जी उपस्थिति लगाकर अनुशासनहीनता करते पाए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर अनुचित तरीके से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले नियमित स्टॉफ पर भी कार्रवाई प्रस्तावित है।

उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सार्थक ऐप पर छेड़खानी कर फर्जी उपस्थिति दर्ज कर शैक्षणिक परिवेश को दूषित करने को गंभीरतापूर्वक लेकर विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। मंत्री श्री परमार के निर्देश के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिदिन सार्थक उपस्थिति ऐप पर दर्ज प्रत्येक प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों की उपस्थिति का गहन परीक्षण किया जा रहा है और अनुचित तरीके से उपस्थिति दर्ज करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

भोपाल गैस त्रासदी का 337 टन कचरा नष्ट, 55 दिन में ऑपरेशन हुआ पूरा

बारिश के बाद 19 नवंबर तक लैंडफिल तैयार होगा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

पीथमपुर में भोपाल गैस त्रासदी के 337 टन कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया रविवार देर रात तक पूरी की गई। बता दें, भोपाल से यूनियन कार्बाइड का कचरा इस वर्ष तीन जनवरी को सुबह चार बजे भोपाल से 12 कंटेनरों में पीथमपुर स्थित रिसस्टेनेबिलिटी कंपनी के भस्मक संयंत्र में पहुंचा था।ट्रायल रन के तहत पहले 30 टन कचरा जलाया गया। उसके बाद कोर्ट के निर्देश पर पांच मई से 307 टन कचरा जलाने की प्रक्रिया शुरू की गई। जबलपुर हाई कोर्ट ने 70 दिन का समय कचरा नष्ट करने के लिए दिया था, लेकिन 55 दिन में कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

कचरे के साथ मिट्टी भी लाई गई थी

भस्मक में यूनियन कार्बाइड का 337 टन कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी संयंत्र को बंद नहीं किया जाएगा। भोपाल से यूका के कचरे के साथ वहां की मिट्टी भी लाई गई थी। इसके अलावा जिस पैकिंग बैग में कचरा रखकर लाया गया था, उसे भी नष्ट किया जाना है। इस तरह मिट्टी व पैकिंग मटेरियल का कचरा करीब 21 टन है। इसे तीन जुलाई तक भस्मक संयंत्र में नष्ट किया जाएगा।

750 टन एकत्र हुई राख, नवंबर में लैंडफिल में रखेंगे

यूका के कचरे को जलाने के दौरान उसके हानिकारक प्रभाव को कम करने के लिए उसमें चूना व सोडियम सल्फाइड भी उतनी ही मात्रा में मिलाया गया है। इस तरह 337 टन कचरे को जलाने के बाद 750 टन राख जमा हुई है। इसे एक-एक टन के एचडीपीई बैग में रखकर लीक प्रूफ स्टोरेज शेड में भस्मक संयंत्र कंपनी के परिसर में रखा जाएगा। संयंत्र परिसर में जमीन से 1.5 मीटर ऊंचाई पर कचरे को सुरक्षित रखने के लिए लैंडफिल तैयार किया जाना है। हालांकि अभी वर्षा के कारण ज्यादा निर्माण संभव नहीं है। ऐसे में 19 नवंबर तक लैंडफिल तैयार होगा। इसके बाद उसमें राख को रखने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस तरह दिसंबर तक यूका कचरे को जलाने के बाद बची राख को लैंडफिल में दबाया जाएगा। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि भोपाल गैस त्रासदी का 337 टन कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया रविवार देर रात पूर्ण कर ली गई। भोपाल में जहां कचरा रखा था, वहां की मिट्टी भी संयंत्र में नष्ट करने के लिए लाई गई है। इसके अलावा लाए गए कचरे के पैकिंग मटेरियल को नष्ट करने की प्रक्रिया तीन जुलाई तक पूरी की जाएगी।

तय मानक के भीतर प्रदूषण व हानिकारक तत्वों की मात्रा

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने दावा किया कि सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन के आक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड, कापर, निकल, कैडमियम, वैनाडियम, एंटीमनी, आर्सेनिक इत्यादि हेवी मेटल की जांच की गई। ये निर्धारित मान सीमा के पाए गए। चिराखान, तारपुरा, बजरंगपुरा व रिसस्टेनेबिलिटी कंपनी के भस्मक संयंत्र परिसर में वायु गुणवत्ता मापी यंत्र मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने लगाए थे। इनमें परिवेशी वायु गुणवत्ता निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाई गई।

केंद्रीय मंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई सभी प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की मंथन बैठक

मंत्री सारंग ने साझा किए प्रदेश के नवाचार और दिये सुझाव

कमजोर सहकारी बैंकों के लिए तकनीकी सहयोग की आवश्यकता- सारंग

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की 'मंथन बैठक' हुई। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश की सहकारिता से जुड़ी उपलब्धियों, नवाचारों और सहकारिता के क्षेत्र में भविष्य की दिशा पर केंद्र सरकार को सुझाव दिये। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश में बहुद्देशीय पैक्स के सफल क्रियान्वयन की जानकारी

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश में प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को बहुद्देशीय इकाइयों के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार को उल्लेखनीय सफलता मिली है। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश में प्रत्येक पैक्स को उनके संचालन के लिये वार्षिक 3 लाख 24 हजार रुपये की वित्तीय सहायता तथा जनजातीय क्षेत्रों में 3 लाख 48 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई पैक्स की स्थापना और उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता आधारित सेवाओं का विस्तार और सशक्तीकरण संभव हो सके।

भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार के लिये केंद्रीय एजेंसी का गठन आवश्यक

मंत्री श्री सारंग ने सहकारिता संस्थाओं में पदों की भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और एकरूप बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस प्रकार बैंकिंग क्षेत्र में आईबीपीएस जैसी संस्था के माध्यम से भर्ती होती है, उसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण स्तर की सहकारी संस्थाओं के लिए एक केंद्रीयकृत भर्ती बोर्ड/एजेंसी का गठन किया जाए, जिससे सहकारी आंदोलन को दक्ष मानव संसाधन मिल सके।

बीज क्षेत्र में नवाचार : चीता ब्रांड

मध्यप्रदेश में बीज संघ को सशक्त करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा चीता ब्रांड बीजों की शुरुआत की गई है, जिनमें उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड बीज लगभग आधी कीमत पर किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहल कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

कमजोर सहकारी बैंकों के लिए तकनीकी सहयोग की आवश्यकता

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि फ्रईज ऑफ ड्रूइंग बिजनेसफ्र को ध्यान में रखते हुए सहकारी संस्थाओं की पंजीयन से लेकर परिसमापन तक की प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाया गया है, जिससे संस्थाओं की कार्य-क्षमता में सुधार आया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि वित्तीय रूप से कमजोर सहकारी बैंकों को सशक्त करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से तकनीकी और विशेषज्ञ सहयोग दिया जाए, ताकि वे भी मुख्यधारा से जु? सकें और ग्रामीण वित्तीय ढांचे को मजबूती दे सकें।

सहकारी बैंकों के माध्यम से फंड डिपॉजिट का दिया सुझाव

मंत्री श्री सारंग ने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को सहकारिता संबंधी योजनाओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली निधि को जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से डिपॉजिट किया जाए, जिससे इन बैंकों की क्रेडिट क्षमता और बिजनेस वॉल्यूम बढ़ सके, इससे सहकारी बैंकिंग तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

लोक निर्माण विभाग का एक जुलाई को वृहद वृक्षारोपण अभियान

आज एक दिन में लगाये जायेंगे एक लाख पौधे

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

हरित मध्यप्रदेश''की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंत्री श्री राकेश सिंह के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक पहल के तहत एक जुलाई को पूरे प्रदेश में एक साथ एक लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान का शुभारंभ भोपाल के लिंक रोड क्रमांक-एक स्थित चिनार उद्यान में सुबह 10 बजे लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह द्वारा पौधारोपण कर होगी।

मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि हरित मध्यप्रदेश की कल्पना को साकार करने के लिए लोक निर्माण विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एक दिन में एक लाख पौधे लगाकर हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करने जा रहे हैं। यह सिर्फ पौधरोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प है।

इस प्रदेशव्यापी अभियान के अंतर्गत सभी जिलों में विभागीय विश्रामगृहों, कार्यालय परिसरों, सड़क किनारे की भूमि और अन्य चिन्हित स्थलों पर पौधरोपण किया जाएगा। अभियान में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, कर्मचारी तथा आम नागरिक सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

जिलों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिससे पूरे प्रदेश में एक साथ समन्वित रूप से यह अभियान संचालित हो सके। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूर्व तैयारी के अंतर्गत सभी जिलों में उपयुक्त भूमि की पहचान, गड्ढों की खुदाई, पानी की व्यवस्था और पौधों की सुरक्षा से संबंधित सभी काम पहले ही पूरे कर लिए गए हैं। नर्सरियों से प्राप्त नीम, पीपल, अर्जुन, आम, अमरूद, कचनार, गुलमोहर जैसे छायादार और फलदार पौधों को प्राथमिकता दी गई है। इन पौधों का चयन स्थानीय जलवायु के अनुसार किया गया है।

विभाग द्वारा केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहते हुएपौधों के संरक्षण और नियमित देखरेख की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक स्थान पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को पौधों की सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभागीय पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से निगरानी प्रणाली भी तैयार की गई है, जिसके माध्यम से पौधों की स्थिति की जिलावार रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

अभियान लोक निर्माण विभाग की मूल भावना लोक निर्माण से लोक कल्याण का जीवंत उदाहरण है। यह पहल एकदिनी नहीं है, बल्कि हर वर्ष नियमित रूप से आयोजित की जाएगी, जिससे विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन और हरियाली को भी समान महत्व मिल सके।

एनवीडीए के अपर सचिव को बनाया जल संसाधन विभाग का वित्तीय सलाहकार

भोपाल। राज्य शासन ने जल संसाधन विभाग के वित्तीय सलाहकार के रूप में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अपर सचिव डॉ अरुण कुमार पालीवाल को अतिरिक्त प्रभार के रूप में मंत्रालय में पदस्थ किया है। जबकि मंत्रालय में जल संसाधन विभाग के वित्तीय सलाहकार का दायित्व निभा रहे वित्त सेवा के अधिकारी राजेश सिंह को वापस लौटा दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार डॉ अरुण कुमार पालीवार के पास नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के वित्तीय सलाहकार के साथ-साथ मंत्रालय में जल संसाधन विभाग के वित्तीय सलाहकार का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। वित्तीय सलाहकार बदलने की पीछे अंदरूनी खींचतान बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास विकास के सचिव और अपर मुख्य सचिव एक ही हैं।

वी डी शर्मा ने तोड़ा पटवा का रिकॉर्ड, अब होगी नये अध्यक्ष की ताजपोशी

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश में भाजपा के नये अध्यक्ष की ताजपोषी तय होना है, लेकिन अभी तक तस्वीर साफ नहीं हो सकी है कि किसे मौका मिलेगा। बैतूल सांसद हेमंत खंडेलवाल का नाम चर्चा में है, पर भाजपा में किछ भी हो सकता है। आदिवासी अध्यक्ष के लिए असहमति बताई जा रही है। इस बीच वर्तमान अध्यक्ष 1स्त शर्मा के नाम एक रिकार्ड जुड़ गया है। शर्मा सबसे ज्यादा समय तक पद पर रहने वाले अध्यक्ष बम गए हैँ। उन्होंने पूर्व सी एम पटवा का रिकॉर्ड तोड़ा है।

मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा लगातार सबसे लंबे समय (63 माह) से कुर्सी पर बने हुए हैं। यह रिकॉर्ड हैं। इससे पहले वरिष्ठ नेता सुंदरलाल पटवा लगातार 50 माह तक अध्यक्ष रहे। पहले कार्यकाल में पटवा 36 माह अध्यक्ष रहे। यानी पटवा करीब 86 माह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर रहे। मालवा क्षेत्र के आठ नेता अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचे। ग्वालियर- चंबल को चार बार मौका मिला, लेकिन बुंदेलखंड और विध्य क्षेत्र के हाथ अब भी खाली हैं। गाहे-बगाहे मांग उठती रही है कि बुंदेलखंड-विध्य के सूखे को भी खत्म किया जाए।

जनपद फंदा के लेखापाल जेपी तिवारी के सेवानिवृत होने पर सीईओ ने किया सम्मान

भोपाल। जनपद पंचायत फंदा के लेखापाल जेपी तिवारी ने जनपद फंदा में 40 वर्षों से अधिक की सेवा करते हुए आज वहां सेवानिवृत हुए। जनपद सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा विदाई समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेपी तिवारी को सीईओ शिवानी मिश्रा ने शाल श्रीफल गुलदस्ता के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा भेंट कर सम्मान कर विदाई दी गई। इस अवसर पर जनपद के अधिकारी कर्मचारियों ने जेपी तिवारी का फूल माला से स्वागत कर सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से को शिवानी मिश्रा के साथ अधिकारी सतीश चौरसिया, दिलीप शिंदे, प्रमोद वर्मा, राकेश कश्यप, सचिव दशरथ वेषशणव, ओमप्रकाश शर्मा एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़कों पर चलेगाअनुशासनःसांसद ने आलोक शर्मा ने ली अधिकारियों की बैठक

अतिक्रमण हटेगा, कंडम वाहन हटेंगे, ई-रिक्शा को मिलेगा रूट

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और अतिक्रमणमुक्त राजधानी बनाने को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अहम बैठक ली। इस चौथी समीक्षा बैठक में भोपाल कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर और डीसीपी ट्रैफिक संजय सिंह सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सांसद ने अफसरों को साफ हिदायत दी– अब शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटेगा, लेफ्ट टर्न पर यातायात की बाधाएं दूर होंगी और ई-रिक्शा को तय मार्ग से ही चलाया जाएगा।

अतिक्रमण पर सख्त रवैया, बनाई गई समिति

सांसद ने स्पष्ट कहा कि शहर की सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें भोपाल कलेक्टर और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द कार्यवाही शुरू की जाए।

16 ब्लैक स्पॉट खत्म होंगे

बैठक में शहर के 16 ब्लैक स्पॉट पर विशेष चर्चा हुई। सांसद शर्मा ने चिंता जताते हुए कहा कि ये स्पॉट जानलेवा साबित हो रहे हैं, इन्हें जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। ट्रैफिक पुलिस को इन स्थानों पर सुधार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए।

कंडम वाहन और अव्यवस्थित पार्किंग पर लगाम

सांसद ने निर्देश दिया कि शहर में सड़कों पर खड़े कंडम वाहनों को हटाया जाए। वहीं, स्मार्ट पार्किंग को लेकर उन्होंने कहा कि पार्किंग की व्यवस्था को गैरेज में तब्दील न होने दिया जाए। स्मार्ट सिटी के तहत पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी और अनुशासित बनाने के आदेश भी जारी किए गए।

ई-रिक्शा के लिए बनेगा निर्धारित मार्ग

शहर में बेतरतीब ढंग से चल रहे ई-रिक्शा पर भी सांसद ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कॉलोनियों के भीतर से चलने वाले ई-रिक्शा को शहर के मुख्य व्यस्त इलाकों में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए प्रशासन और ट्रैफिक विभाग द्वारा संयुक्त रूप से मार्ग तय किए जाएंगे। इसके अलावा शहर में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सांसद ने प्रस्ताव रखा कि प्रमुख स्थानों पर डिजिटल कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि कैमरा नेटवर्क को मजबूत किया जाए और अपराध नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति बनाई जाए। बैठक में यह भी तय किया गया कि सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगे बिजली के खंभों को व्यवस्थित किया जाएगा। इसके लिए ष्टरूभोपाल की अगुवाई में एक समिति बनाई गई है, जो खंभों के स्थानांतरण और सुरक्षा की दिशा में काम करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की बैठक को वर्चुअली किया संबोधित

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की भागीदारी और उपलब्धियां बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग दे रही है। वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक सहित सभी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और बड़ी संख्या में पदक लाएं, इस लक्ष्य के साथ प्रदेश में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार प्रदेश में खेल अधोसंरचना विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ अन्य सहायता व प्रोत्साहन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

राज्य शासन मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की जबलपुर में आयोजित वार्षिक बैठक को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवक कल्याण श्री मनु श्रीवास्तव इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ वर्ष 1952 से अर्थात् 73 साल से खेल के क्षेत्र में लगातार कार्यरत है। मध्यप्रदेश का 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा और प्रदेश ने पहली बार तीसरा स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में 22 से ज्यादा हॉकी के एस्ट्रोटर्फ हैं और 15 एथलेटिक ट्रैक हैं, जो कि देश में किसी भी प्रदेश में नहीं है। मध्यप्रदेश में 18 एक्सीलेंस एकेडमी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओलंपिक संघ के सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। जबलपुर में हुई बैठक में मध्यप्रदेश

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578